Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 64
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार ,04 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

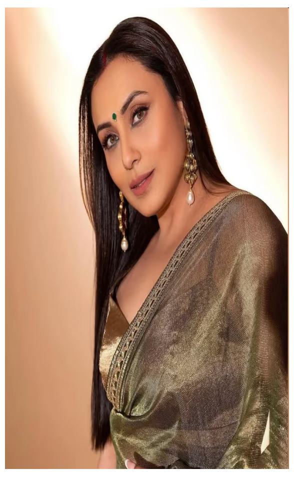

3 नगर निगम में संपूर्ण समाधान दिवस, हाउस टैक्स बढ़ाने 4 राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 5 रानी मुखर्जी ने तोड़ी चुप्पी: क्यों नहीं दिखाई अब

कनाडा के उच्चायुक्त ने राष्ट्रपति को सौंपा परिचय पत्र

भारत-कनाडा संबंधों में नरमी की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा संबंधों में एक साल बाद अब धीरे-धीरे नरमी आ रही है। इसी बीच शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कनाडा के नए उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर से उनकी राजनयिक नियुक्ति की औपचारिक मान्यता स्वीकार की। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में एक साल बाद धीरे-धीरे सुधार की कोशिशें शुरू हुई हैं। बता दें कि पिछले साल अक्तूबर में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े आरोपों के बाद भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला लिया था और जवाब में कनाडा के भी कई राजनयिकों को भारत से निकाल दिया गया था। पीएम मोदी और मार्क कार्नी की मुलाकात हालांकि इसी साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मुलाकात कर संबंध सुधारने पर सहमति जताई और जल्द ही दोनों देशों ने अपने-अपने राजनयिकों की वापसी का रास्ता साफ किया। इसके बाद भारत ने दिग्गज राजनयिक दिनेश के पटनायक को कनाडा में उच्चायुक्त नियुक्त किया, जिन्होंने 25 सितंबर को कनाडा की गवर्नर जनरल मैरी साइमन को अपनी नियुक्ति पत्र सौंपा। इसी क्रम में कनाडा ने क्रिस्टोफर कूटर को भारत में अपना उच्चायुक्त बनाया, जिन्होंने अब राष्ट्रपति मुर्मू को अपना नियुक्ति पत्र सौंपा है। कूटर को 35 वर्षों का राजनयिक अनुभव है। वह इससे पहले इस्राइल, दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, लेसोथो, मॉरीशस और मेडागास्कर जैसे देशों में भी कनाडा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह 1998 से 2000 तक नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग में फर्स्ट सेक्रेटरी भी रह चुके हैं।

रक्षा मंत्री ने जैन समुदाय की मेहनत और योगदान को सराहा

भारत बनेगा दुनिया की फैक्ट्री:रक्षा मंत्री

हैदराबाद (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार जैन समुदाय की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की कुल आबादी में जैन समुदाय की हिस्सेदारी सिर्फ 0.5% है, लेकिन देश के कुल टैक्स संग्रह में उनका योगदान करीब 24% है। वे हैदराबाद में 'जिटो कनेक्ट 2025' नामक तीन दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समुदाय के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि जैन समुदाय की सोच और दर्शन भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समाज के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन समुदाय का इतिहास भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का एक अनमोल उदाहरण है। उन्होंने इस समुदाय की भूमिका को भारत की सांस्कृतिक विरासत में बहुत महत्वपूर्ण बताया। भारत बनेगा दुनिया की फैक्ट्री- राजनाथ सिंह उन्होंने आगे कहा कि जैन समुदाय ने देश के फार्मा, विमानन और शिक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है और इन क्षेत्रों में नेतृत्व कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत आज खिलौनों से लेकर टैंकों तक लगभग हर चीज बनाने लगा है और वह दिन दूर नहीं जब भारत पूरी दुनिया का फैक्ट्री बन जाएगा।

बिहार के पुलिसकर्मियों का रुका वेतन, कर्तव्य में लापरवाही बरतने का लगा आरोप

छपरा (एजेंसी)। बिहार में सारण जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में सात पुलिसकर्मियों का वेतन रोकने का आदेश दिया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि दशहरा पर्व के अवसर पर जिला मुख्यालय के साहेबगंज चौक पर पुलिस अवर निरीक्षक वीरेंद्र मांझी, प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार, महिला सिपाही टुन्नी कुमारी और ममता कुमारी सोनार पट्टी चौक पर महिला सिपाही बृजकिशोरी तथा जामा मस्जिद क्षेत्र में महिला सिपाही सलोचना कुमारी एवं मानो कुमारी को विधि व्यवस्था संधारण के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। सूत्रों ने बताया कि पुलिस पदाधिकारियों के औचक निरीक्षण के दौरान उपरोक्त सभी पुलिस कर्मी अपने पदस्थापन स्थल पर मौजूद नहीं थे। जिसकी जांच पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय से कराने एवं सत्यता प्रमाणित होने पर उपरोक्त पुलिसकर्मियों का वेतन रोकने का आदेश देने के साथ ही उनसे पांच दिन के अंदर स्पष्टीकरण की मांग भी की गई है।

मल्लिकार्जुन खरगे को अस्पताल से मिली छुट्टी, जल्द ही अपनी गतिविधियां शुरू करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वे बहुत जल्द अपनी गतिविधियां शुरू कर देंगे। इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट पर इंडियन नेशनल कांग्रेस की ओर से दी गई है। कांग्रेस ने खड़गे की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को गुरुवार शाम अस्पताल से छुट्टी मिल गई। वे स्वस्थ हैं और आप सभी की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। वे जल्द ही अपनी गतिविधियां फिर से शुरू करने के लिए तत्पर हैं, जैसा कि सलाह दी गई है। हम सभी को उनकी शुभकामनाओं और समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बुधवार को बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में पेसमेकर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया गया। मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र प्रियांक खरगे ने इस संबंध में एक बयान जारी किया है। सोशल मीडिया पर मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा था कि खरगे के लिए पेसमेकर ट्रांसप्लांट प्रक्रिया पूरी हो गई। यह एक छोटी और मामूली प्रक्रिया थी और प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है। उनके 3 अक्टूबर से अपना काम फिर से शुरू करने और अपने सभी निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद है।

जांच के लिए भेजे 152 खाद्य नमूने, होगी सख्त कार्रवाई, दीपावली तक जारी रहेगा एफडीए का विशेष अभियान

देहरादून (एजेंसी)। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से मिलावटखोरी के खिलाफ पहले चरण के विशेष अभियान में एक सप्ताह के भीतर 152 खाद्य नमूने जांच के लिए भेजे गए। जांच रिपोर्ट में गुणवत्ता खराब पाई जाने पर विक्रेता और निमार्ता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशानिर्देश पर एफडीए ने नवरात्र पर्व पर विशेष अभियान शुरू किया। एफडीए आयुक्त एवं सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मिठाई व दूध डेयरी उत्पादों में मिलावट की शिकायतें मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी सूरत में मिलावट करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के तहत 30 सितंबर तक विभिन्न खाद्य उत्पादों के 152 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। दुकानों में निरीक्षण के दौरान

195 किलो पनीर, 150 किलो दूध से बने उत्पाद, 4500 किलो फलों का पल्प, 200 किलो. मिठाई नष्ट की गई। छह व्यापारियों के नोटिस जारी किए गए। त्योहार खुशियों और मिलन का समय होते हैं। मेरी प्राथमिकता यह है कि हर घर की थाली शुद्ध रहे और हर परिवार की खुशियां सुरक्षित रहें। जनता के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं होगा। विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मिलावटखोरों के खिलाफ बिना किसी रियायत के कठोर कार्रवाई की जाए। -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री एफडीए के अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने कहा, त्योहारों के दौरान मिलावटखोरों की सक्रियता को देखते हुए विभाग ने पहले से ही विशेष रणनीति बनाई है। प्रत्येक जनपद स्तर पर गठित टीमें मिठाई, दूध, खोया, घी, तेल, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर लैब में भेजे जा रहे हैं। दोषी पाए जाने वालों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यालय स्तर से अभियान की निरंतर निगरानी की जा रही है। दीपावली तक अभियान जारी रहेगा।

'मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए ठहराया जाए जवाबदेह'; PoK में पाकिस्तान सेना की बर्बरता पर भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कई दिनों से जारी विरोध प्रदर्शनों पर भारत ने प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हमने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में विरोध प्रदर्शनों की खबरें देखी हैं, जिनमें पाकिस्तानी सेना की तरफ से निर्दोष नागरिकों पर की गई बर्बरता भी शामिल है। हमारा मानना है कि यह पाकिस्तान के दमनकारी रवैये और इन इलाकों से संसाधनों की व्यवस्थित लूट का स्वाभाविक परिणाम है, जो उसके जबरन और अवैध कब्जे में हैं। पाकिस्तान को उसके भयावह मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। एनएसए ने कनाडाई एनएसआईए से की मुलाकात वहीं कनाडा के साथ सुरक्षा सहयोग को लेकर किए गए सवाल पर

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने 18 सितंबर को कनाडा की नेशनल सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस एडवाइजर नथाली ड्रुइन से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और खुफिया सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक काफी सकारात्मक रही और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति बनी। बांग्लादेश के गृह सलाहकार के आरोपों पर प्रतिक्रिया इस दौरान रणधीर जायसवाल ने बांग्लादेश के गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी के भारत पर लगाए आरोपों पर कहा कि ये पूरी तरह झूठे और बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में नाकाम रही है और अपनी नाकामी छिपाने के लिए दूसरों पर दोष मढ़ रही है। बेहतर होगा कि वे आत्मचिंतन करें और चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स में अल्पसंख्यकों पर हमलों व कब्जों की जांच कराएं। अपने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में रणधीर जायसवाल ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को 9 से 16 अक्तूबर तक नई दिल्ली आने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से यात्रा की अनुमति मिली है। इस पर मंत्रालय आगे भी जानकारी साझा करेगा। भारत-चीन के बीच सीधी हवाई सेवा पर जवाब रणधीर जायसवाल ने इस दौरान कहा कि भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवाएं फिर से शुरू करने पर वाणिज्यिक गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं। यह दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य करने की दिशा में अहम कदम है।

कोर्ट ने चैतन्यानंद को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

CCTV मॉनिटरिंग ऐप के जरिए छात्राओं पर रखता था नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत अवधि पूरी होने के बाद पटियाला हाउस अदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेष कुमार के समक्ष पेश किया। यहां एक निजी प्रबंधन संस्थान में 17 छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी चैतन्यानंद के लिए पुलिस ने न्यायिक हिरासत की मांग की थी। उनके वकील ने जब्ती मेमो और केस डायरी दिये जाने की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने पुलिस से अन्य आवेदनों पर जवाब मांगा, जिनमें भिक्षुओं के वस्त्र पहनने, दवाइयां और संन्यासी भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गई थी।

चैतन्यानंद (62) को 28 सितंबर को आगरा से गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले, पुलिस ने सरस्वती से जुड़े कई बैंक खातों और सावधि जमाओं में जमा आठ करोड़ रुपये जब्त कर लिए थे। प्राथमिकी के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित प्रबंधन संस्थान का पूर्व अध्यक्ष सरस्वती कथित तौर पर छात्राओं को देर रात अपने क्वार्टर में आने के लिए मजबूर करता था और उन्हें अनुचित समय पर अनुचित संदेश भेजता था। वह कथित तौर पर अपने फोन में लगे सीसीटीवी मॉनिटरिंग ऐप के जरिए छात्राओं की गतिविधियों पर नजर रखता था। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने कथित तौर पर विभिन्न नामों और विवरणों का इस्तेमाल कर कई बैंक खाते संचालित किए और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 50 लाख रुपये से अधिक की राशि निकाल ली।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत, दो घायल

पूर्णिया (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया जिले में कटिहार-जोगबनी रेल खंड के कसबा स्टेशन गुमटी के निकट शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे बंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गयी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। रेल पुलिस सूत्रों ने बताया कि पांच युवक दशहरा मेला देखकर रेलवे पटरी पार कर पूर्णिया की ओर जा रहे थे। अहले सुबह अंधेरा रहने के कारण युवकों को कुछ पता नहीं चला और सभी बंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। इस घटना में तीन युवकों की मौके पर ही ट्रेन से कटकर मौत ही गयी जबकि दो अन्य

गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि घायलों को पूर्णिया राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है,जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये अस्पताल भेज दिया गया है।

देश में तेजी से घट रही मुस्लिम आबादी, आरएसएस झूठ बोलकर दंगे भड़का रही और सरकार सो रही:दिग्विजय सिंह

भोपाल/झांसी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने झांसी में आरएसएस और सरकार पर तीखे आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस एक नॉन रजिस्टर्ड संस्था है और इसके लोग दंगे भड़काने में शामिल रहते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब संस्था का रजिस्ट्रेशन ही नहीं है, तो इसके मेंबर कहां से होंगे ।दिग्विजय ने कहा, कि आरएसएस कहता है कि मुस्लिम आबादी बढ़ रही है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि मुस्लिम आबादी भी तेजी से घट रही है। जबकि हिंदुओं की जनसंख्या अधिक घट रही है। उन्होंने सरकार और अफसरों की नीयत पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सरकार चाहे तो दंगे कभी नहीं हो सकते।

वांगचुक की रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची उनकी पत्नी, गिरफ्तारी को बताया गैर कानूनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई का अनुरोध करते हुए उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। वांगचुक को लद्दाख में प्रदर्शनों के दो दिन बाद 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया था। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर उस केंद्र शासित प्रदेश में हुए विरोध प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। वांगचुक राजस्थान की

जोधपुर जेल में बंद हैं। आंगमो ने वकील सर्वम रीतम खरे के माध्यम से दायर अपनी याचिका में वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई का अनुरोध किया है। याचिका में वांगचुक पर रासुका लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाए गए हैं। आंगमो ने आरोप लगाया कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की प्रति नहीं मिली है, जो नियमों का उल्लंघन है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उनका अभी तक वांगचुक से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। हाल ही में लद्दाख प्रशासन ने वांगचुक को फंसाने या गुप चुप तरीके से कार्रवाई के दावों को खारिज कर दिया था।

यूपी में दलित दमन चरम पर, एनसीआरबी डेटा के बहाने अखिलेश ने सरकार पर बोला तीखा हमला

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2023 रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के स्थिति की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में यूपी में सांप्रदायिक और धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही। ऐसे में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में दलित उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। सपा प्रमुख का कहना है कि भाजपा सरकार के कामकाज को सिर्फ पक्षपात के चश्मे से नहीं, बल्कि पीड़ा भरी आँख से भी

देखा जाना चाहिए। शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि एक आँकड़ा ये भी है। भाजपा सरकार के काम को सिर्फ पक्षपात के चश्मे से नहीं, पीड़ा भरी आँख से भी देखा जाए। उप्र में दलित दमन चरम पर है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि एक टीवी शो इस आंकड़े पर भी होना चाहिए। एक होर्डिंग इस सच का भी लगना चाहिए। एक विस्तृत रिपोर्ट इस पर भी समाचार के रूप में प्रसारित-प्रकाशित होनी चाहिए। एक एसआईटी इसकी विवेचना के लिए भी बननी चाहिए। एक अध्याय इसके लिए भी, पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए। एक जाँच आयोग इसके लिए भी बैठाया जाए। एक विशेष वाहिनी, दलित-दमन के उन्मूलन के लिए भी बनाई जाए। एक श्वेतपत्र इस काले अपराध पर भी आना चाहिए। एक रोड शो इस समस्या के बारे में भी जागरूकता फैलाने के लिए निकाला जाए। एक पाँच हजार वर्षीय आयोजन, इस ऐतिहासिक उत्पीड़न की पंच सहस्त्राब्दी के रूप में, चेतना जगाने के लिए भी आयोजित किया जाए। गौरतलब है कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 प्रतिशत कम रही। देश में कुल अपराध दर 448.3 थी, जबकि यूपी में यह केवल 335.3 दर्ज की गई।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान विभिन्न स्वच्छता प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर

गोरखपुर, : गांधी जयन्ती के अवसर पर 02 अक्टूबर, 2025 को महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के मुख्य आतिथ्य में रेलवे अधिकारी क्लब, गोरखपुर में स्वच्छोत्सव- स्वच्छता ही सेवा-2025 समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ला, प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर प्रमुख विभागाध्यक्ष, पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन (नरवो) की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा बोरवणकर, सदस्यायें एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग की रोकथाम हेतु महाप्रबन्धक के निर्देश पर पुराने अनुपयोगी लिनेन से बनाये गये थैलों का वितरण किया गया। समारोह के उपरान्त प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बनाने एवं स्वच्छता अपनाने के लिये बौलिया एवं बिछिया रेलवे कालोनियों का निरीक्षण किया। समारोह को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि 17 सितम्बर से 01 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम पूरे देश में मनाया गया। इसके उपरान्त 01 से 15 अक्टूबर,2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सेवा-2025 के दौरान पूर्वोत्तर रेलवे पर स्वच्छता संबंधी अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। पूर्वोत्तर रेलवे के सभी स्टेशनों एवं कार्यालयों में स्वच्छता शपथ दिलायी गई। इस दौरान पूर्वोत्तर रेलवे में 3400 चिन्हित स्थलों की साफ सफाई की गई। मंडलों एवं मुख्यालयों में स्वच्छता रैली निकाली गई। स्कूलों में स्वच्छता पर आधारित कविता, निबन्ध, पेंटिंग एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा खेल-कूद कार्यक्रम आयोजित किये गये। महाप्रबन्धक ने नवरात्र व विजयदशमी की शुभकामनायें देते हुए कहा कि इस स्वच्छता अभियान में बच्चों व महिलाओं की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। स्वच्छता में महिलाओं का अहम योगदान होता है। स्वच्छता के मुहिम को सुदृढ़ बनायें। जिस तरह हम लोग नवरात्रि में तन-मन की शुद्धि करते हैं, उसी तरह इस दौरान पूरे भारतीय रेल पर स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। स्वच्छता पखवाड़े में हम सभी ने स्वच्छता शपथ ली, जिसमें हमने संकल्प लिया था कि स्वच्छता में सहयोग करेंगे, प्रति सप्ताह 2 घंटे स्वच्छता कार्य करेंगे। हमें इस पर अमल करना है। आज से सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस तक इस पर अमल करें और स्वच्छता में अपना योगदान दें। हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने जो 15 अगस्त को अपने सम्बोधन में पंच प्रण की बात की थी। पहला प्रण था- विकसित भारत की तरफ हम लोग अग्रसर हों, दूसरा- गुलामी की मानसिकता से निजात पायें, तीसरा -अपनी विरासत पर गर्व करें, चौथा- हमारे देश में जो सामाजिक एकता है उसकी शक्ति को समझें तथा पाँचवा- भारत का नागरिक होने के नाते हम अपनी जिम्मेदारियों को समझें। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर कार्य करें। इस पखवाड़े में स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगो को पुरस्कृत किया गया है, ताकि उससे प्रेरित होकर आगे और भी लोग स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करें। उन्होने कहा कि आज से रेल परिसर में प्लास्टिक के पानी की बोतलों का उपयोग न किया जाये। पुराने एवं अनुपयोगी कपड़ों का उपयोग करके थैले बनाये गये हैं, जिसे लोगों को वितरित किया जा रहा है। स्वच्छता हेतु हमें ई-वेस्ट का डिस्पोजल करना है ग्रीन पैचेज बनाने हैं तथा रेलवे कालोनियों को प्लास्टिक फ्री बनाने का संकल्प लेना है। स्वयं जागरूक होकर अन्य लोगों को भी जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर सर्वोत्तम स्वच्छ कालोनी व स्टेशन चुनकर उन्हें पुरस्कृत किया जाना चाहिये। लोगों से संपर्क कर वृक्षारोपण को बढ़ावा दें, पौधों को नाम प्रदान कर आत्मसात करें, पेड़ों को नाम दें और उनकी देखभाल करते रहें। महाप्रबन्धक ने ह्यओरल हेल्थ कैम्पह्य के आयोजन हेतु चिकित्सा विभाग को निर्देश दिया तथा गुटखे का लत छुड़ायें जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने जो स्वच्छता का संदेश दिया है, उसे आत्मसात करें तथा प्रकृति के धर्म का पालन करें व सजग रहें।

उत्तर रेलवे द्वारा भेजा गया पहला ऑटोमोबाइल रेक आज कश्मीर घाटी पहुँचा

नई दिल्ली,: उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल द्वारा मेसर्स मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के

मानेसर स्थित गति शक्ति टर्मिनल (जीसीटी) से भेजा गया पहला ऑटोमोबाइल रेक आज 3 अक्टूबर 2025 को कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड पहुँच गया है। ब्रेजा, डिजायर, वैगन आर और एस-प्रेसो जैसी मारुति सुजुकी की 116 से अधिक यात्री गाड़ियों को लेकर यह ऑटो ट्रेन 1 अक्टूबर को मानेसर स्थित जीसीटी प्लांट से रवाना हुई। यह ट्रेन 850 किलोमीटर की दूरी तय करके 3 अक्टूबर, 2025 को जम्मू और कश्मीर में नए खुले अनंतनाग रेलवे टर्मिनल पहुँची। अनंतनाग जाते समय यह ट्रेन चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊँचे रेलवे आर्च ब्रिज के ऊपर से गुजरी। यह उल्लेखनीय है कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (USBRL) परियोजना के कारण घाटी से रेल संपर्क ने क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत किया है, लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाया है और सड़क यातायात की भीड़भाड़ को काफी कम किया है। उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक के खुलने के बाद, अब तक कश्मीर घाटी से/के लिए परिवहन की गई माल वस्तुएँ (30.09.25 तक के आँकड़े):

सेबः 12400.9 टन

सीमेंटः 48387 टन

प्लास्टिक सामानः 1341 टन

इस्पातः 716.1 टन

इस ऑटोमोबाइल रेक का आगमन कश्मीर घाटी को विश्वसनीय संपर्क से जोड़ने की भारतीय रेलवे की पहल का एक हिस्सा है। यह कश्मीर में औद्योगिक और वाणिज्यिक लॉजिस्टिक के लिए नए रास्ते खोलेगा, सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करेगा और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता में सुधार करेगा। यह कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार करेगा और क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

नई दिल्ली से सहरसा के मध्य इस गाड़ी का समय पूर्ववत रहेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 12553/12554 सहरसा-नई दिल्ली-सहरसा वैशाली एक्सप्रेस का मार्ग विस्तार 03 अक्टूबर,2025 से ललितग्राम तक किया गया। यह गाड़ी 07 दिसम्बर, 2025 से नये नम्बर 15565/15566 ललिग्राम-नई दिल्ली-ललितग्राम वैशाली एक्सप्रेस से चलाई जायेगी। परिवर्तित मार्ग पर 02 अक्टूबर, 2015 से 12554 नई दिल्ली-ललितग्राम वैशाली एक्सप्रेस नई दिल्ली से 20.40 बजे प्रस्थान कर निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन विस्तारित मार्ग पर सहरसा से 20.40 बजे प्रस्थान कर सुपौल से 21.15 बजे, सरायगढ़ से 21.42 बजे तथा राघोपुर से 21.52 बजे छूटकर ललितग्राम 22.30 बजे पहुंचेगी। 12553 ललितग्राम-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस 03 अक्टूबर,2025 से ललितग्राम से 04.00 बजे प्रस्थान कर राघोपुर से 04.20 बजे, सरायगढ़ से 04.32 बजे, सुपौल से 05.02 बजे तथा सहरसा से 06.45 बजे छूटकर निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन नई दिल्ली 06.30 बजे पहुंचेगी। नई दिल्ली से सहरसा के मध्य इस गाड़ी का समय पूर्ववत रहेगा।

इस गाड़ी का आगमन एवं प्रस्थान समय शेष स्टेशनों पर पूर्ववत रहेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 15091/15092 दौराई-टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव उत्तर पश्चिम रेलवे के अटेली स्टेशन पर निम्नवत प्रदान किया जायेगा। दौराई से 06 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15091 दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस नारनौल स्टेशन पर 20.35 बजे पहुँचकर से 20.37 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी यात्री में टनकपुर से 06 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15092 टनकपुर-दौरानी एक्सप्रेस अटेली स्टेशन पर 07.15 बजे पहुँचकर से 07.17 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी का आगमन एवं प्रस्थान समय शेष स्टेशनों पर पूर्ववत रहेगा।

2025 तक नान इण्टरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का पुनर्निर्धारण एवं मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा एवं परिचालनिक सुगमता हेतु पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे के अलीपुर द्वार मण्डल के सेवक स्टेशन पर 10 से 15 अक्टूबर, 2025 तक नान इण्टरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का पुनर्निर्धारण एवं मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा।

पुनर्निर्धारण-

-कामाख्या से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15621 कामाख्या-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस 06 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

मार्ग परिवर्तन-

-उदयपुर सिटी से 13 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 19615 उदयपुर सिटी-कामाख्या एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग न्यू जलपाईगुडी-रानीनगर जलपाईगुडी-धूपगुडी-न्यू कूचविहार-न्यू अलीपुर द्वार-सामुतलारोड-न्यू बोगाईगांव के रास्ते चलाई जायेगी। परिवर्तित मार्ग से चलाये जाने के फलस्वरूप यह गाड़ी दलगांव एवं अलीपुर द्वार स्टेशनों पर नहीं रूकेगी। इसके स्थान पर इस गाड़ी का 02 मिनट का अस्थाई ठहराव धूपगुडी, न्यू कूचविहार एवं न्यू अलीपुर द्वार स्टेशनों पर प्रदान किया जायेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और जापान के मंत्री महामहिम हिरोमासा नाकानो का सूरत हाई-स्पीड रेल परियोजना स्थल का दौरा

गोरखपुर,: जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री महामहिम हिरोमासा नाकानो आज सूरत हवाईअड्डे पहुँचे, जहाँ उनका पारंपरिक गरबा से स्वागत किया गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महामहिम हिरोमासा नाकानो के साथ सूरत हाई-स्पीड रेल (HSR) निर्माण स्थल का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्सों की समीक्षा की, जिनमें ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी शामिल थे। दोनों मंत्रियों ने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया और निर्माण की तेजी की सराहना की। यह दौरा भारत और जापान के बीच भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को आगे बढ़ाने में मजबूत सहयोग को दशार्ता है।

यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 02 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलरामपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 09 वर्ष का एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के को चाइल्ड लाइन, बलरामपुर को सुपुर्द किया गया। 02 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 09 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 30 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर द्वारा गाड़ी सं0 15273 में एक 10 वर्ष की नाबालिग लड़की को लावारिस हालत में पाकर गोरखपुर पोस्ट पर लाया गया, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 30 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 05 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 02 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया द्वारा निगरानी के दौरान रेलवे स्टेशन सुरेमानपुर पर एक महिला यात्री को प्रसव पीड़ा होने पर महिला यात्रियों की सहायता से सुरक्षित प्रसव कराया गया तथा ईलाज हेतु महिला यात्री के परिजन के साथ एम्बुलेन्स से उप स्वास्थ्य केन्द्र, सोनबरसा भेजवाया गया। 02 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट औडिहार को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15054 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे औडिहार पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के भाई के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 01 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 5 पर यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे वाराणसी सिटी पोस्ट पर जमा कराया गया। 02 अक्टूबर, 2025 को यात्री के रिस्तेदार के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 02 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी बादशाहनगर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 04450 में महिला यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे बादशाहनगर चौकी पर जमा किया गया।

गोरखपुर जं. स्टेशन पर सूती कपड़े से बने थैलों का वितरण करते हुए निरीक्षक

गोरखपुर,ः भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत 03 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर लखनऊ एवं इज्जतनगर के प्रमुख स्टेशनों एवं रेलवे कालोनियों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालयों तथा प्लेटफार्मों की विशेष साफ-सफाई की गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों जैसे-गोरखपुर, लखनऊ जं., बस्ती, गोंडा, खलीलाबाद एवं बहराइच स्टेशनों पर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन एवं यात्री सुविधाओं के रख-रखाव के बारे जागरूक किया गया। गोरखपुर स्टेशन पर यात्रियों को सूती कपड़े से बने थैलों का वितरण किया गया तथा यात्रियों से कचरा इकठ्ठा कर डस्टबिन में डाला गया। सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु अलग-अलग कलर के डस्टबिन का प्रावधान किया गया एवं यात्रियों को कुड़ा-कचरा डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान स्टेशनों पर प्रतीक्षालय, प्रसाधन, प्लेटफार्मों, वाटर बूथ एवं डेज्न की सफाई की गई तथा निरीक्षकों द्वारा हाइड्रेन्ट पाइप का निरीक्षण किया गया। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों जैसे-काठगोदाम, हल्द्वानी, लालकुआं, काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, बरेली सिटी, पीलीभीत, कासगंज, फरूखाबाद, फतेहगढ़ एवं कन्नौज पर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन एवं सार्वजनिक सुविधाओं के रख-रखाव के बारे जागरूक किया गया। स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु अलग-अलग कलर के डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा यात्रियों को कुड़ा-कचरा डस्टबिन में डालने हेतु जागरूक किया गया। इस दौरान स्टेशनों पर स्वच्छता से सम्बंधित उपकरणों का निरीक्षण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

गोला पालिकाध्यक्ष ने गांधी की 156वीं जयंती, शास्त्री को 121वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि, किया नमन

गोला गोकर्णनाथ–खीरी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नगर पालिका परिषद गोला के सभागार में श्रद्धा सुमन अर्पित कर नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ,सभासद एवं पालिका कर्मचारियों ने याद किया। जयंती समारोह का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने ध्वजारोहण कर किया ।इसके उपरांत सभागार में उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए कहा महात्मा गांधी ने

जीवन पर्यन्त सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलें ।गाँधी समय को बहुत महत्व देते थे। शास्त्री सादगी के प्रतीक थे उन्होंने हमें स्वाभलम्भी बनने को कहा थाघ सभासद रियाजुद्दीन गांधी जी के कृतत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की आजादी में गांधी जी की महती भूमिका थी। सभासद नानक चन्द्र वर्मा ने कहा यह पुण्य भूमि है जहाँ लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी जैसी देवतुल्य आत्माओं ने जन्म लिया। जयंती समारोह में सभासद धर्मेन्द्र तिवारी, धर्मेन्द्र जायसवाल, हरिओम वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष कुम्भी रविन्द्र कटियार, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा, लेखाकार मोहित अवस्थी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

न्यू एन0टी0आई पब्लिक स्कूल में मनाई गई गांधी-शास्त्री की जयंती

मोहम्मदी–खीरी। नगर के न्यू एन०टी०आई पब्लिक स्कूल में गत वर्षों की भांति आज भी सोतंत्र भारत के राष्ट्रपिता मोहन दास करम चंद गांधी एवं द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रबंधक शहनवाज खान ने इस शुभ दिन पर ध्वजारोहण

किया तथा महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर गुलाम भारत को आजाद कराने में किए गए कार्यों को याद किया। विद्यालय में इस शुभ अवसर पर सजावट की गई एवं विद्यालय के मुख्य डेकोरेशन बोर्ड को गुब्बारों से सजाया गया। गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस के साथ ही विद्यालय में विजयदशमी का पर्व भी पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें राम एवं रावण के चरित्र एवं कार्यों को याद किया गया। विद्यालय प्रबंधक ने इस शुभ अवसर पर सभी को विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान राम के अच्छे चरित्र एवं रावण के बुरे कृत्यों का संक्षेप में वर्णन करते हुए बताया कि यह सत्य की बुराई पर जीत प्रतीक है।

औरंगाबाद चौकी प्रभारी की कुर्सी 27 दिनों से खाली....

औरंगाबाद–खीरी ।मैगलगंज थाना क्षेत्र के चौकी औरंगाबाद पर 27 दिन बीत जाने के बाद भी किसी दरोगा की तैनाती नही हुई है जिससे फरियादियों को अपनी समस्या का हल पाने के लिए मैगलगंज थाने जाना पड़ता है,बता दे, ग़ौरतलब हो कि 07 सितम्बर को औरंगाबाद पुलिस चौकी पर तैनात चौकी प्रभारी अनूप मिश्रा को थाना सम्पूर्णानगर स्थानांतरित कर दिया गया था उसके बाद से औरंगाबाद पुलिस चौकी पर किसी चौकी प्रभारी की तैनाती नही हुई है, पुलिस चौकी पर तैनात दरोगा अनूप मिश्रा करीब 2 साल दो माह लंबे समय तक औरंगाबाद चौकी पर रहे मैगलगंज थाना क्षेत्र के चौकी पर तैनात अनूप मिश्रा ने 7 जुलाई 2023 को औरंगाबाद चौकी पर पद भार ग्रहण किया था , और उनकी पहली चौकी थी, करीब 2 वर्ष 2 माह के लंबे समय से औरंगाबाद चौकी पर तैनात थे बीते 7 सितम्बर को उनका ट्रांसफर सम्पूर्णानगर थाने में कर दिया गया, तब से यहां किसी भी चौकी प्रभारी की तैनाती नही हुई है। इस समय जब औरंगाबाद का ऐतिहासिक रामलीला मेला भी चल रहा है सुरक्षा के कारणों को देखते हुए पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है लेकिन अभी तक उसके बाद भी औरंगाबाद चौकी पर किसी चौकी प्रभारी की तैनाती नहीं हो पाई है।

नए जीएसटी सुधारों के बाद 3981 शिकायतें दर्ज, दूध-पेट्रोल और इलेक्ट्रॉनिक सामान पर सबसे ज्यादा भ्रांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए जीएसटी सुधारों के बाद उपभोक्ताओं ने 3,981 शिकायतें दर्ज कराई हैं। इन शिकायतों में दूध, पेट्रोल और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े सबसे ज्यादा भ्रम सामने आए हैं। उपभोक्ता मामलों का विभाग इन शिकायतों की रियल टाइम निगरानी कर रहा है। 22 सितंबर 2025 से नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी सुधार 2025 लागू होने से भारत की कर प्रणाली में एक क्रांतिकारी बदलाव आया है। इसका उद्देश्य कर ढांचे को सरल बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि तर्कसंगत कर दरों का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे। इसी के तहत नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन (एनसीएच) को अब तक जीएसटी से संबंधित 3,981 शिकायतें मिली हैं। इनमें 31 प्रतिशत सवाल और 69 प्रतिशत वास्तविक शिकायतें शामिल हैं। भारत सरकार का उपभोक्ता मामले का विभाग इन शिकायतों के जल्द समाधान और स्पष्टीकरण के लिए उन पर बारीकी से नजर रख रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष में विजयादशमी पर शहर की कई बस्तियों में निकाले गए पथ संचलन में शामिल स्वयंसेवक।

ग्वालियर व्यापार मेला रोड

दाल बाजार

हाईकोर्ट रोड

सराफा बाजार

शताब्दी वर्ष में संघ कार्य को बनाएं 'सर्वव्यापी' और 'सर्वस्पर्शी'

हजारों स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ निकाला पथ संचलन, किया शस्त्र पूजन

ग्वालियर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष में विजयादशमी का पर्व उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। अलग-अलग बस्तियों में शस्त्र पूजन के बाद हजारों गणवेशधारी स्वयंसेवक घोष की ध्वनि की लय पर कदमताल करते हुए पथ संचलन में शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न मार्गों पर खड़े लोगों ने भारत माता के जयकारों और पुष्पवर्षा से स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

संघ के ग्वालियर विभाग में गुरुवार को विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में वक्ताओं ने संघ के इतिहास और उसके संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की हमारी कार्य पद्धति शाखा है और यही शाखा आज समाज परिवर्तन का केंद्र बन रही है। अब लोग कहने लगे हैं मैं रहूं न रहूं, भारत रहना चाहिए। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। संघ की विभिन्न पीढ़ियों की भूमिका बताते हुए उन्होंने कहा कि पहली पीढ़ी ने बीजारोपण किया, दूसरी पीढ़ी ने राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया, तीसरी ने समाज व्यापी बनाया और चौथी ने संगठन और समाज को एक धरातल पर ला खड़ा किया। अब वर्तमान पीढ़ी को संघ का काम सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बनाना है। इसके लिए हमें कार्य, कार्यकर्ता और कार्यक्रम की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। साथ ही पंच परिवर्तन (सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्व का भाव, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्य) के माध्यम से समाज में सकारात्मक विमर्श का वातावरण बनाना होगा।

12 अक्टूबर तक निकलेंगे पथ संचलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग में शताब्दी वर्ष में 12 अक्टूबर तक पथ संचलनों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न बस्तियों में शस्त्र पूजन भी किए जाएंगे।

पथ संचलन में सांसद भारत सिंह भी हुए शामिल।

संक्षिप्त समाचार

युवती का रास्ता रोककर की अभद्रता

ग्वालियर। झांसी रोड थाना क्षेत्र के पारस विहार कॉलोनी में 20 वर्षीय युवती के साथ मारपीट और अभद्रता करने का मामला सामने आया है। युवती किराए के मकान में रहती है और आरोपी आए दिन उसे परेशान करता है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। पारस विहार कॉलोनी में 20 वर्षीय युवती किराए से रहती है। युवती का कहना है कि यश हंसमानी आए दिन उसे परेशान करता है। कभी रास्ता रोक लेता है तो कभी गंदी फब्तियां कसता है। बुधवार सुबह 11 बजे जब वह साइंस कॉलेज के पास खड़ी थी तो यश हंसमानी वहां पहुंच गया और गालियां देने लगा। जब उसने यश को रोका तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दे दी और कहा कि अगर पुलिस को बताया तो ठीक नहीं होगा। धमकियों से डरी युवती साइंस कॉलेज से सीधे झांसी रोड थाने पहुंची और पुलिस को पूरी घटना से अवगत कराया। युवती की बात सुनने के बाद पुलिस ने आरोपी यश हंसमानी के खिलाफ मारपीट करने, अभद्रता करने तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला कायम कर लिया है।

विवाद होने पर युवक को डंडों से पीटा

ग्वालियर। गिरवाई थाना क्षेत्र के कुम्हारों के मोहल्ले में तीन युवकों ने विवाद होने पर एक युवक की डंडों से पिटाई कर दी। आरोपियों ने युवक को जमीन पर पटका और लात-घूसों से बेदम कर दिया। घटना बुधवार रात 8 बजे की है। पुलिस ने नामजद युवकों के खिलाफ मामला कायम कर लिया है। अमर करोसिया पुत्र घनश्याम करोसिया निवासी इमली नाका पार्क के पीछे गिरवाई किसी काम से कुम्हारों का मोहल्ला सिकंदर कम्पू गया था। वहां पर शिवा करोसिया निवासी कुम्हारों का मोहल्ला, निर्मल पालिया तथा हर्ष वाल्मीकि निवासी सिकंदर कम्पू से उसका विवाद हो गया।

दामाद ने लगाई सास की स्कूटी में आग, मामला दर्ज

ग्वालियर

पत्नी को साथ नहीं भेजने से नाराज दामाद ने ससुराल पहुंचकर स्कूटी को आग लगा दी। घटना झांसी रोड थाना क्षेत्र के आदिवासी मोहल्ले में 20 सितंबर की है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

झांसी रोड थाना क्षेत्र के आदिवासी मोहल्ला गली नंबर पांच निवासी जानकी पत्नी अमर सिंह ने शिकायत की थी कि कुछ माह पूर्व उसने अपनी बेटी पूजा की शादी हरिशंकरपुरम निवासी रवि से की थी। दो से तीन महीने बाद ही रवि पूजा की मारपीट करने लगा तो नाराज होकर पूजा अपने मायके आ गई थी। कुछ दिन पहले रवि उनके घर आया और पूजा को ले जाने की जिद करने लगा। पूजा गर्भवती थी और रवि द्वारा मारपीट करने के कारण उन्होंने उसे ले जाने से मना कर दिया। जिस पर रवि ने विवाद किया था। उस समय तो वह चला गया। लेकिन अगले दिन तड़के चार बजे आया और जानकी की घर के बाहर खड़ी स्कूटी एमपी 07 एसजे 3990 को आग लगा दी। जिससे स्कूटी जलकर खाक हो गई। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच करते हुए आस-पास लगे सीसीटीवी खंगाले तो पता चला कि घटना से पहले वहां पर जानकी का दामाद रवि आता और जाता नजर आया है। इसका पता चलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

फर्जी पुलिस गैंग तीन माह में 58 लाख वसूलने की योजना बनाकर आई थी

सभी हाइवे पर दो माह से कर रहे थे तैयारी, तीन दिन की रिमांड पर

ग्वालियर

फर्जी पुलिस और आरटीओ अधिकारी बनकर वसूली की योजना बनाने वाले तीन माह में 58 लाख रुपए वसूलने की योजना बनाकर आए थे। इनके निशाने पर हाइवे पर निकलने वाले वाहन थे, इनसे ही वह वसूली करते। यह खुलासा उनसे क्राइम ब्रांच की पूछताछ में हुआ है। पकड़े गए फर्जी टीआई और कांस्टेबल को क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें तीन दिन की रिमाण्ड पर दिया है। अब क्राइम ब्रांच उनसे पूछताछ कर अन्य जानकारी जुटाएगी।

दो माह से कर रहे थे तैयारी: क्राइम ब्रांच की पूछताछ में पता चला है कि पकड़ा गया फर्जी निरीक्षक पिछले दो माह से ग्वालियर में रहकर हर हाइवे पर जाकर माहौल परख रहा था और यहां पर स्थित ढाबों पर आरटीओ बनकर जाता था। पहचान बनाने के बाद उसकी बुधवार की रात से वसूली की योजना थी, लेकिन उससे पहले ही क्राइम ब्रांच ने उसे दबोच लिया।

साथियों को भी दिया धोखा: फर्जी निरीक्षक शिवम चतुर्वेदी के साथ पकड़े गए पवन और नीरज यादव भी उसके धोखे का शिकार थे और उनसे सिपाही बनाने के नाम पर फर्जी निरीक्षक शिवम चतुर्वेदी ने झांसे में लेकर चालीस हजार रुपए वसूले थे।

हर शहर की दस दिन की योजना: पूछताछ में यह भी पता चला कि तीन माह में 58 लाख रुपए हाइवे से समेटने थे, क्योंकि उसे पता चला था कि आरटीओ की चेकिंग में बिना प्रयास के एक ट्रक से आसानी से पांच से छह हजार तक वसूले जा सकते हैं और वह इसकी शिकायत नहीं करते हैं। इसके बाद उसने योजना बनाई थी कि दस दिन ग्वालियर के हाइवे और इसके बाद अन्य शहर के हाइवे निशाने पर लेने हैं।

किराए का फ्लेट लेकर रह रहा था : पुलिस पड़ताल में पता चला है कि पकड़ा गया फर्जी निरीक्षक सिटी सेंटर इलाके में एक मल्टी में किराए का फ्लेट लेकर रहता था। जिसे उसने पंद्रह हजार रुपए माह पर लिया था। साथ ही पता चला है कि यह फ्लैट एक रिटायर्ड अफसर का है और उसने इसका वैरीफिकेशन नहीं कराया है।

बुजुर्ग महिला से लूट का मामला

नशेड़ियों के बीच बदमाश तलाश रही है पुलिस

ग्वालियर

पुलिस कर्मी की मां को लहूलुहान करके लूटने वाले बदमाशों की तलाश में कंपू पुलिस गुरुवार को जुटी रही। पुलिस को आशंका है कि बदमाश नशेड़ी हो सकते हैं और उन्हीं के बीच पुलिस बदमाशों को तलाश कर रही है। उल्लेखनीय है कि गत दिवस आमखो निवासी शांतिदेवी भदौरिया के साथ लूट की वारदात हुई थी। उनका बेटा राजवीर सिंह भदौरिया ईओडब्लू में प्रधान आरक्षक है। सुबह वह दफ्तर चले गए।

उनकी मां शांतिदेवी करीब 9.30 बजे रोजाना की तरह टंकी रोड के आगे भूरी माता मंदिर के दर्शन करने चली गईं। दर्शन करने के बाद वह पैदल-पैदल घर लौट रही थीं। अभी वह कैंसर पहाड़ी पर ही थीं कि तभी चार बदमाशों ने आकर उन्हें रोक लिया। वह कुछ समझ पाती बदमाश उन्हें पकड़कर झाड़ियों की तरफ ले गए। बदमाशों ने ईंट उनके सिर पर मारकर लहुलुहान कर दिया। इसके बाद उनके हाथ से कड़े उतारकर भाग गए थे। बदमाशों के जाने के बाद वह झाडियों से उठकर हिम्मत करके कुछ दूर तक पहुंची और चक्कर खाकर गिर पड़ी। आस-पास के लोगों ने देखा तो उनके घरवालों को खबर देकर उन्हें तुरंत ही जेएएच के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

7 दिन बाद हारा जिंदगी की जंग हादसे में घायल हुआ था युवक

ग्वालियर

नाश्ता लेने के लिए जा रहे युवक को तेज रफ्तार बाइक चालक ने टक्कर मार दी। घटना पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के स्टोन पार्क गुरुद्वारे के पास बीती 23 अगस्त की है। हादसे के बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर सात दिन उपचार के दौरान घायल ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक का शव विच्छेदन गृह पहुंचाकर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के मूर्ति पहाड़िया निवासी शब्बीर खान पुत्र दायम खान मूलतः बहोड़ापुर का रहने वाला है। शब्बीर पुरानी छावनी स्थित जैन फैक्ट्री में काम करता है। इसी फैक्ट्री में शब्बीर का छोटा भाई शाकिर भी काम करता है। शाम करीब साढ़े चार बजे शब्बीर और शाकिर बाइक से नाश्ता लेने के लिए पुरानी छावनी चौराहे के लिए निकले थे। गुरुद्वारे के पास शाकिर तो बाइक से उतर गया और शब्बीर बाइक को स्टार्ट कर ले जा रहा था कि तभी सामने से बाइक क्रमांक एमपी 30 एमयू 8388 का चालक अपनी बाइक को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए आया और शब्बीर की बाइक में टक्कर मार दी। इसके बाद बाइक सवार भाग निकला। हादसे का पता चलते ही शाकिर ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शब्बीर को उपचार के लिए भर्ती कराया।

दिन-प्रतिदिन बिगड़ी हालत: हादसे के बाद शब्बीर को बहोड़ापुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन वहां पर उसकी हालत बिगड़ती चली गई और उसके बाद उसे जेएएच रेफर किया गया। जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

पड़ोसी झगड़े महिला हुई घायल

ग्वालियर। मुरार थाना क्षेत्र के पाताली हनुमान रोड पर सुबह-सुबह पड़ोसियों में झगड़ा हो गया। झगड़ा इतना बढ़ा कि दो महिला व एक पुरुष ने पड़ोस में रहने वाली महिला के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। प्रियंका पाताली हनुमान रोड प्रीती मेडिकल के पास रहती हैं। वहीं आरती, मुन्नी देवी तथा उमेश रहते हैं। सुबह 6 बजे दोनों पड़ोसियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया जो थोड़ी देर बाद मारपीट में बदल गया। आरती, मुन्नीदेवी तथा उमेश ने प्रियंका के साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दे दी। आस-पास रहने वालों ने मामला शांत कराया।

तीन दिन में देना था जवाब, नौ दिन में भी नहीं दिया

राज्यपाल के दौरे में बीपी मशीन फेल होने का मामला

ग्वालियर

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के ग्वालियर दौरे के दौरान बीपी जांच मशीन फेल होने के मामले में सिविल सर्जन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन नौ दिन बीत जाने के बाद भी सिविल सर्जन ने अपना जवाब प्रस्तुत नहीं किया है। जबकि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने उन्हें महज तीन दिन में जवाब देने के निर्देश दिए थे।

जानकारी के अनुसार राज्यपाल मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में पिछले दिनों मुरार सर्किट हाउस में सिकल सेल स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में राज्यपाल ने ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. राहुल श्रीवास्तव से अपना बीपी चेक करने को कहा। जैसे ही मशीन चलाई गई, उसकी स्क्रीन पर एरर संदेश आने लगा और मशीन काम ही नहीं कर पाई। इस गंभीर चूक पर मौके पर मौजूद जिलाधीश रुचिका चौहान और राज्यपाल के सुरक्षा अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए सीएमएचओ ने तत्काल 23 सितम्बर को सिविल सर्जन डॉ. आर.के. शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। नोटिस में स्पष्ट कहा गया कि शिविर में उपयोग होने वाले उपकरणों की जांच ड्यूटी शुरू होने से पूर्व अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए थी। ऐसा न करना न केवल विभागीय लापरवाही है बल्कि वीआईपी ड्यूटी के दौरान हुई इस गलती ने पूरे जिले के स्वास्थ्य तंत्र की छवि धूमिल की है। नोटिस में चेतावनी दी गई थी कि सिविल सर्जन को तीन दिवस में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा और संबंधित चिकित्सक से जवाब लेकर भी उसे संलग्न करना होगा। बावजूद इसके नौ दिन बीत जाने के बाद भी कोई जवाब नहीं दिया गया है।

दीपावली आई लेकिन पुरानी कार्रवाई का पता नहीं

सात माह पूर्व लिए चार सौ नमूनों की जांच रिपोर्ट अभी तक नहीं

ग्वालियर

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम को सख्ती से लागू करने के दावे भले ही किए जाते हों, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। जिले भर में खाद्य पदार्थों की शुद्धता की जांच के लिए लिए गए सैकड़ों नमूनों की रिपोर्ट महीनों से लंबित है। हालात यह हैं कि सात माह पूर्व जिले भर से लिए गए लगभग 400 खाद्य पदार्थों के नमूनों की रिपोर्ट आज तक प्रयोगशालाओं से जारी नहीं हो सकी है। जिन नमूनों की रिपोर्ट लंबित है, उसमें होली पर लिए गए नमूने भी शामिल हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन खाद्य पदार्थों को लोग महीनों पहले खा-पीकर खत्म कर चुके, उनकी जांच रिपोर्ट अब आने से आखिर आम जनता को क्या लाभ होगा।

दीपावली पर भी ढिलाई

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की नींद त्योहार के कुछ दिनों पूर्व ही टूटती है। यही कारण है कि दीपावली के 18 दिन शेष बचे हैं और अधिकारियों की टीम अभी भी ढिलाई बरत रही है। जबकि जिले भर में बाहर से मिलावटी मावा आना शुरू हो गया और बाजारों में खपाया भी जा रही है।

जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर बाजारों, मिठाई की दुकानों, रेस्टोरेंट्स और खाद्य तेल के संस्थानों से नमूने लेकर जांच के लिए भेजे जाते हैं। इनमें दूध-दही, घी, तेल, मिठाई, नमकीन, मसाले और पैकेज्ड फूड सहित अन्य के नमूने शामिल हैं। लेकिन नमूने लेने के बाद उनकी जांच रिपोर्ट भोपाल प्रयोगशाला में अटक जाती है। नियम यह है कि किसी भी खाद्य पदार्थ का सैंपल लेने के 14 से 30 दिन के भीतर रिपोर्ट आ जानी चाहिए, ताकि दोषी व्यापारी पर कार्रवाई की जा सके। मगर वास्तविकता यह है कि कई-कई महीने बाद रिपोर्ट आती है और तब तक या तो वही सामग्री खप चुकी होती है या फिर व्यापारी उसे बाजार से हटा चुका होता है।

इतना ही नहीं खाद्य अधिकारियों द्वारा जांच के लिए जो नमूने भोपाल भेजे गए हैं, उसमें से 80 नमूने ऐसे भी शामिल हैं। जो होली व रक्षाबंधन के त्योहार के दौरान लिए गए थे। खाद्य विभाग के अधिकारी भी मानते हैं कि इस लापरवाही से मिलावटखोरों के हौंसले बुलंद हो रहे हैं। उन्हें पता है कि जांच रिपोर्ट देर से आएगी, ऐसे में उनके खिलाफ त्वरित कार्रवाई संभव नहीं हो पाएगी।

स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर

दूध, तेल, मसालों या मिठाइयों में मिलावट है तो यह आम उपभोक्ताओं की सेहत पर असर डालता है। कैंसर, लीवर और किडनी संबंधी बीमारियों के बढ़ने में मिलावटी खाद्य पदार्थों को भी जिम्मेदार माना जाता है। बावजूद इसके विभाग और सरकार स्तर पर समय पर रिपोर्ट जारी कराने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन पाई है।

सर्दी बढ़ते ही कमजोर होगा डेंगू का डंक, घुटने लगता है मच्छर का दम

ग्वालियर

जिले में इस वर्ष डेंगू का प्रकोप पिछले साल की तुलना में काफी कम रहा है। जनवरी से अब तक केवल 157 मामले सामने आए हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 773 से अधिक लोग डेंगू का शिकार हुए थे। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे सर्दी बढ़ेगी, डेंगू फैलाने वाला मादा इजिप्टी मच्छर सक्रिय नहीं रहेगा और प्रकोप धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा।

मलेरिया विभाग के अधिकारियों के अनुसार, डेंगू बुखार मादा इजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर साफ पानी में पनपता है और दिन के समय ज्यादा सक्रिय होता है। इसकी उड़ान क्षमता सीमित होती है, इसलिए यह अक्सर पैरों और बाजुओं पर डंक मारता है। डेंगू मच्छर को पनपने के लिए 24 से 28 डिग्री सेल्सियस तापमान और 80 प्रतिशत से अधिक आर्द्रता की आवश्यकता होती है। जैसे ही तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरता है, मच्छर की सक्रियता घटने लगती है और उसका प्रकोप भी कमजोर पड़ता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और घरों में साफ-सफाई, पानी जमा न होने देने, और मच्छरदानी का उपयोग जारी रखने की अपील की है।

डेंगू प्रकोप कैसे खत्म होता है

ठंड में मच्छर के अंडे से परिपक्व होने का समय बढ़ जाता है, उड़ान क्षमता घटती है और वार करने की क्षमता लगभग खत्म हो जाती है। ऐसे में सर्दियों में डेंगू का खतरा अपने आप कम हो जाता है।

सम्पादकीय

मेहनत की कमाई में सेंध

कैसी विडंबना है कि भोले-भाले लोगों से छल करके खून-पसीने से हासिल जीवनभर की पूंजी ऑनलाइन डकैती में लूट ली जाती है। जिसकी वापसी के लिए तंत्र की कोई जवाबदेही और कानून-व्यवस्था से कोई गारंटी सुनिश्चित नहीं है। जब तंत्र लगातार ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रेरित करता है तो उसे जनधन की सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा जारी हालिया आंकड़े इस संकटपूर्ण स्थिति का खुलासा करते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2023 में साइबर क्राइम की घटनाओं में 31.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। जिसके आने वाले वर्षों में और अधिक होने की आशंका जतायी जा रही है। जो इस बात का प्रमाण है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से निबटना अब दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित रूप से साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों के आंकड़े जुटाने की एनसीआरबी की पहल महत्वपूर्ण है, जो इस संकट से निबटने की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इन अपराधों से निबटने के लिये कैसे रणनीति बनाते हैं। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि कैसे वे साइबर अपराधियों के संजाल में फंसने से बच सकते हैं। यूं तो डेटा सुरक्षा के लिये तमाम दिशा-निर्देश सरकार के विभिन्न संगठनों की तरफ से दिए जाते हैं, लेकिन आज भी पुरानी पीढ़ी के तमाम लोग ऐसे हैं जो ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग को लेकर पर्याप्त रूप से साक्षर नहीं होते। ऐसे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है कि दैनिक जीवन में ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हुए अपने गोपनीय डेटा की सुरक्षा कैसे करें। लेकिन विडंबना यह है कि साइबर अपराधी नित नए तौर-तरीकों से लोगों को लूटने लगते हैं। कुछ समय पहले साइबर लुटेरों ने स्पूफिंग तकनीक से लोगों को शिकार बनाना शुरू किया। वे सोशल मीडिया अकाउंट में घुसपैठ करके धन की उगाही करने लगते। व्यक्ति को संकट में दिखाकर उसके रिश्तेदारों से धन ऐंठने लगते। विडंबना यह है कि साइबर ठगी की तकनीक उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों और ई-मेल खातों तक भी पहुंच गई। दरअसल, कभी हैकिंग, तो कभी स्पूफिंग के कपटपूर्ण छल का मकसद लोगों की जमा-पूंजी को निशाना बनाना ही रहा है। दरअसल, जब तक लोग ठगी के इन तौर-तरीकों को समझ पाते, साइबर ठग नई तकनीक के सहारे लोगों को भ्रमित कर चूना लगाने की नई कोशिश में लग जाते हैं। ऐसे में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच सवाल उठता है कि हमारा तंत्र इन घटनाओं में पर प्रभावी रोक लगाने में कामयाब क्यों नहीं हो पाता। आखिर फोन व कंप्यूटर में मजबूत एंटी वायरस और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर क्यों कामयाब नहीं होते। आखिर क्यों साइबर घुसपैठ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इन पर रोक के लिये कोई कारगर व्यवस्था व मैकेनिज्म क्यों नहीं बन पा रहा है। दूरसंचार नियामक ट्राई की अपनी सीमाएं हैं। संकट यह भी है कि ज्यादातर साइबर अपराध की घटनाएं प्रॉक्सी यानी छद्म सर्वर या फिर वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिये अंजाम दी जाती हैं। ज्यादातर अपराध भारत के बाहर से संचालित होते हैं। यही वजह है कि जालसाज विदेश में बैठकर भी भारत के अपराधियों की मदद से धोखाधड़ी का नेटवर्क बना लते हैं। इससे वे भारतीय नागरिकों को चपत लगाने में सफल हो जाते हैं। निस्संदेह, ऐसे मामलों में व्यक्तिगत सावधानी और सजगता-सतर्कता मददगार साबित हो सकती है। खासकर इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग करते वक्त अतिरिक्त सावधानी से ऐसी धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। लोगों को याद रखना चाहिए कि कभी बैंक का कोई अधिकारी खाताधारक से निजी व गोपनीय जानकारी नहीं पूछता है। वो कभी फोन व ई-मेल से ऐसी जानकारी नहीं मांगता है। इसलिए जरूरी है कि यदि कोई व्यक्ति बैंक खाते की सुरक्षा से जुड़े पासवर्ड,पिन, सीवीवी तथा खाता नंबर की जानकारी मेल या फोन से मांगता है तो उसे नजरअंदाज करना चाहिए। ऐसी ही सावधानी हाऊस अरेस्ट के मामलों में भी बरतनी चाहिए। साथ ही असली-नकली वेबसाइट की सावधानी से जांच करनी चाहिए।

राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली सौ वर्ष

वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण के लिए किये गये कार्यों की लंबी फेरहिस्त देखें तो उससे यह स्पष्ट होता कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का हमेशा अनमोल योगदान रहा है, उस योगदान की अनदेखी करना देश हित व समाज हित में उचित नहीं है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने पावन पर्व विजयदशमी के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित के लिए की थी। संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करते हुए अपने कार्यों के दम पर करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए, राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से योगदान देने का कार्य निरंतर कर रहा है। हालांकि देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्माण के दिन से ही उसके बारे में तरह-तरह का दुष्प्रचार करने की क्षणिक स्वार्थ पूरा करने वाली राजनीति की जबरदस्त ढंग से होती रही है, यह लोग ओछी राजनीति से वशीभूत होकर के राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी कि आरएसएस की कोई भी भूमिका नहीं रही, आम जनमानस को ऐसा बता कर के संघ के प्रति आम जनमानस को बरगलाने का प्रयास करते हैं, जो सरासर गलत है। वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण के लिए किये गये कार्यों की लंबी फेरहिस्त देखें तो उससे यह स्पष्ट होता कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का हमेशा अनमोल योगदान रहा है, उस योगदान की अनदेखी करना देश हित व समाज हित में उचित नहीं है। इसलिए समय रहते हम लोगों को यह समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश का अनुशासित सांस्कृतिक संगठन है, संघ का स्वयंसेवक बिना किसी लोभ-लालच के राष्ट्र व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से अपने तन, मन और समय को अर्पित करने का कार्य करता है। एक सच्चे स्वयंसेवक का जीवन केवल निजी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह अपनी सांसों को भी मातृभूमि की सेवा का साधन बना देता है, वह राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए हर पल तत्पर रहता है। वैसे भी किसी भी ताकतवर राष्ट्र के निर्माण के लिए अनुशासन व नैतिकता बेहद आवश्यक होती है, इन दोनों के बिना किसी भी ताकतवर राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के लिए नैतिकता व अनुशासन सर्वोपरि होता है, इसलिए उसका राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है। संघ सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय निर्माण की विचारधारा के दम पर ही दुनिया भर में अपनी विशेष पहचान रखता है। यह देश व दुनिया का एक ऐसा संगठन है जो अपनी विशेष कार्यशैली के दमखम पर दुनिया में सनातन धर्म-संस्कृति के रक्षक तौर

पर और एक बहुत बड़े सामाजिक संगठन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। संघ अपने निर्माण के सौ वर्षों के लंबे सफर के बाद अब अपनी कार्यशैली के बलबूते दुनिया के ताकतवर बड़े गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) में शुमार हो गया, आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक फैलें हुए हैं और सबसे अहम बात यह है कि संघ दुनिया भर का एक ऐसा संगठन है, जोकि अपनी स्थापना के सौ वर्षों के बाद भी अपनी विचारधारा व उद्देश्यों से जरा भी नहीं भटका है, आज भी अपनी विचारधारा पर संघ पूरी तरह से कायम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संगठन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली हमेशा अपना कार्य निस्वार्थ भाव से करना जारी रखती और कभी भी श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं करती है। हालांकि देश व दुनिया में जब से डिजिटल क्रांति आयी है तब से लोगों को यह पता चलने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। देश की आजादी के दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य करते हुए राष्ट्र व समाज हित में निरंतर कार्य कर रहा है। आज देश के दूरदराज इलाकों तक में भी संघ अपनी 55 हजार शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर जनहित व राष्ट्रहित के कार्यों को निरंतर अंजाम दे रहा है। राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य की बात करें तो संघ के स्वयंसेवकों ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की सहायता करते हुए, उन लोगों के जान-माल की सुरक्षा करने का कार्य बड़े पैमाने पर किया था। संघ ने दादरा, नगर हवेली और गोवा के विलय में निर्णायक भूमिका निभाने का कार्य किया था, 2 अगस्त 1954 की सुबह संघ के स्वयंसेवकों ने पुतर्गाल का झंडा उतारकर तिरंगा फहरा कर पुतर्गाल के कब्जे से मुक्त करवाया था। संघ के स्वयंसेवक 1955 से चले गोवा मुक्ति संग्राम में शामिल रहे, उन्होंने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से तत्कालीन सरकार के द्वारा इनकार करने पर जगन्नाथ राव जोशी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर के आंदोलन शुरू किया था, लेकिन बाद में जब जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कार्यकताओं को दस वर्ष की सजा हुई तो गोवा के हालत बिगड़ने पर अंततः भारत सरकार के सैनिकों को हस्तक्षेप करना पड़ा था और वर्ष 1961 में संघ की क्रांति के दीप से ही गोवा भी स्वतन्त्र हुआ था। संघ के स्वयंसेवक अनुशासन व ट्रेनिंग के दम पर ही तो देश में सामाजिक सेवा, आपदा प्रबंधन के कार्य में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेते आये है। भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफान, युद्ध, महामारी (प्लेग? व कोरोना आदि) और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा अपनी जान की परवाह किए बिना ही राहत व बचाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाते हुए नजर आते हैं। विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठनों के माध्यम से संघ देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है। देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। संघ के द्वारा शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। आज देश में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से संलग्न हैं। जिसके अंतर्गत 30 हजार शिक्षण संस्थाओं में 9 लाख शिक्षकों के मार्गदर्शन में 45 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 49 शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान एवं महाविद्यालय, 2353 माध्यमिक एवं 923 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 633 पूर्व प्राथमिक एवं 5312 प्राथमिक, 4164 उच्च प्राथमिक एवं 6127 एकल शिक्षक विद्यालय तथा 3679 संस्कार केंद्र हैं। वहीं आज देश के विभिन्न दूरदराज तक के हिस्सों में शिशु वाटिकाएं, शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, सरस्वती विद्यालय, उच्चतर शिक्षा संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शोध संस्थान हैं। देश में इन सरस्वती मंदिरों की संख्या अब भी निरंतर बढ़ रही है और आज विद्या भारती देश का सबसे बड़ा गैर सरकारी शिक्षा संगठन बन चुका है। वर्ष 1962 में चीन से हुए युद्ध में भी संघ ने बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिससे प्रभावित होकर संघ को वर्ष 1963 के गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने का निमन्त्रण तक दिया था। संघ देश मे तेजी से चल रहे धर्मांतरण की आंधी को रोकने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, सामाजिक समरसता और सुधार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। देश के आदिवासी क्षेत्रों में जिस तरह से तेजी से धर्मांतरण करने का जाल बिछाया गया, संघ के स्वयंसेवकों ने जान की बाजी लगाकर उसको काफी हद तक रोकने का कार्य किया है। संघ ने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव को कम करने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए बहुत सारे अभियान चलाए है। यह समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने पर जोर देता है। आदिवासी और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए वनवासी कल्याण आश्रम जैसे संघ के संगठन देश के दूरदराज तक के क्षेत्रों में कार्यरत हैं। संघ ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध चले जेपी आंदोलन में और देश में लगे आपातकाल के विरुद्ध चले आन्दोलन में बड़ी अहम भूमिका निभाने का कार्य किया था और इंदिरा गांधी को सत्ता से बाहर करने का कार्य किया था।

लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं विपक्ष का चेहरा

संजीव ठाकुर

भारत का लोकतंत्र संविधान की सबसे मनमोहक और गौरवपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। यह केवल शासन की प्रणाली ही नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के हर नागरिक की आवाज, उनके अधिकार, न्याय और समानता का स्वस्थ एवं महान प्रतीक है। लोकतंत्र की असली सुंदरता इसकी प्रजातांत्रिक स्वतंत्रता में है, जहाँ हर व्यक्तिकृचाहे वह सांसद हो या आम नागरिककृअपने विचार व्यक्त कर सकता है और सुझाव दे सकता है और किसी भी गलत बात के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद कर सकता है। यही लोकतंत्र की मूल आत्मा है, जो भारतीय लोकतंत्र को जीवंत, सशक्त और गौरव शाली बनाती है। हालांकि, वर्तमान समय में यह देखा गया है कि मनोनीत विपक्ष और कुछ सांसद लोकतंत्र को कथित तौर पर बड़े खतरे में बता रहे हैं। उनके इस कथन से कभी-कभी मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भ्रम फैलाया जाता है। यह दृश्य समाज में सवाल उठाता है क्या वास्तव में लोकतंत्र संकट में है, यह केवल बहस और आलोचना की प्रक्रिया का हिस्सा है या अपनी नाकामी और निष्क्रियता को पर्दे में रखने के लिए सत्ताधारी दल पर लोकतंत्र के खतरे का आान कर आरोप लगाया जाता है। वास्तविकता यह है कि लोकतंत्र की मजबूती विपक्षी दलों के जिम्मेदार और संवेदनशील दृष्टिकोण में निहित है। संसद और विधानसभा में विपक्ष सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, सवाल उठाता है और सुधार की दिशा सुझाता है। यही लोकतंत्र की जिजीविषा और आलोचना ही लोकतंत्र की ताकत बनती है, जब यह विपक्ष सशक्त, रचनात्मक और संवेदनशील हो। 2011 के जनलोकपाल आंदोलन में विपक्ष ने भ्रष्टाचार की खामियों को उजागर किया और साथ ही सुधार के सुझाव भी दिए थे।कोरोना महामारी के दौरान विपक्ष ने राहत और स्वास्थ्य योजनाओं में सुधार के लिए सक्रिय भूमिका भी निभाई थि।चुनावी समय में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जनता की भागीदारी ने लोकतंत्र को और अधिक पारदर्शी और सशक्त बनाया।किंतु कभी-कभी विपक्षी दल या सांसद केवल नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं। बार-बार हंगामा, सोशल मीडिया पर लोकतंत्र की कमजोरी का प्रचार, या असहज प्रदर्शनकृये सभी लोकतंत्र की सौम्य प्रक्रिया को चुनौती देते हैं। ऐसे समय में जनता की जागरूक भागीदारी, मीडिया की निष्पक्षता और न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रक्षा करती हैं।अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाए, तो कभी-कभी यह प्रचारित किया जाता है कि भारत का लोकतंत्र संकट में है। यह आरोप मुख्यतः विपक्षी घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने या उन्हें संदर्भ से अलग पेश करने से उत्पन्न होते हैं। वास्तविकता यह है कि भारत का लोकतंत्र मजबूत, जीवंत और संवेदनशील है। संसद में बहस, विरोध और आलोचना लोकतंत्र की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। यही लोकतंत्र की गहराई और सजीवता को दशार्ता है। भविष्य में लोकतंत्र और अधिक सशक्त तभी होगा, जब जनता सजग, विपक्ष जिम्मेदार और सरकार पारदर्शी रहे। डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया लोकतंत्र की प्रक्रिया को और अधिक समावेशी और जीवंत बना रहे हैं। लोकतंत्र केवल वोट देने का माध्यम नहीं है, बल्कि हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी, न्याय की भावना और संवेदनशीलता का अद्भुत सम्मिश्रण है। भारत का लोकतंत्र संविधान की सबसे मनमोहक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। मनोनीत विपक्ष और कुछ सांसदों द्वारा इसे खतरे में बताने के बावजूद वास्तविकता यह है कि लोकतंत्र सशक्त, संवेदनशील और गर्वित है। आलोचना जिम्मेदारी और रचनात्मकता के साथ हो, तभी लोकतंत्र प्रगतिशील बनता है। जनता की जागरूकता, स्वतंत्र न्यायपालिका और जिम्मेदार विपक्षकृये सभी मिलकर लोकतंत्र की चमक, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की गरिमा को बनाए रखते हैं।

कांग्रेस की परीक्षा में फेल हुआ संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने विजयादशमी पर नागपुर के रेशम बाग स्थित मुख्यालय में अपना शताब्दी समारोह मनाया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इसके मुख्य अतिथि थे। श्री कोविंद ने अपने भाषण में जहां महात्मा गांधी को याद किया, तो वहीं मोहन भागवत ने किसी राष्ट्रप्रमुख की तरह भाषण दिया। इस भाषण में अर्थनीति, विदेशनीति, सरकार की जिम्मेदारियां, इतिहास, वर्तमान, भविष्य सभी का जिक्र था। वैसे भी मोदी सरकार ने जब संघ का शताब्दी समारोह जनता के खर्च पर सरकार की तरफ से मना लिया है, तो उसके बाद श्री भागवत के इस तरह भाषण देने के अंदाज पर आश्चर्य भी नहीं होता। मोदी शासनकाल शुरू होने से पहले संघ का स्थापना दिवस, दशहरे पर शस्त्र पूजा, ये सब मनाए जाते रहे, लेकिन उनका ऐसा प्रचार-प्रसार नहीं होता था, मानो ये कोई राष्ट्रीय आयोजन हो। लेकिन अब संघ का स्थापना दिवस राष्ट्रीय पर्व से कम नहीं रह गया है। अब तक तो मोदी सरकार ने ये लिहाज किया हुआ है कि इसे घोषित तौर पर चौथा राष्ट्रीय पर्व नहीं बनाया है, लेकिन अगर संघ के महिमामंडन का सिलसिला ऐसे ही जारी रहा तो फिर श्री मोदी इसे भी मुमकिन बना देंगे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने राष्ट्रवाद का कितना पोषण किया है, देश की उन्नति में इसका बड़ा योगदान रहा है, ये सारी बातें तो पिछले कई अर्से से चल ही रही हैं, अब ये भी कहा गया है कि आजादी की लड़ाई में भी संघ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जबकि इतिहास गवाह है कि संघ ने आजादी के लिए संघर्ष तो नहीं किया, बल्कि भारत

छोड़ो आंदोलन जैसे ऐतिहासिक आंदोलन को कुचलने के लिए अंग्रेजों को चिठ्ठी लिखी। इस भूल को संघ सुधार सकता था, बशर्ते वह आजादी के बाद गांधीजी की बातों को सुनता, उनसे नफरत का इजहार नहीं करता। जो संविधान बना, उसे स्वीकार करता। उसकी जगह मनुस्मृति की वकालत नहीं करता। लेकिन संघ ने अपनी देशभक्ति साबित करने के इस मौके को गंवा दिया। 2 अक्टूबर को संघ को यह मौका फिर मिला, लेकिन इस परीक्षा में भी संघ फेल हो गया। दरअसल 2 अक्टूबर को नागपुर में इंडियन यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत को संविधान की प्रति सौंपने के लिए सड़कों पर उतर आए। यूथ कांग्रेस के नेताओं ने महात्मा गांधी अमर रहें और यूथ कांग्रेस जिंदाबाद के नारे लगाए और आरएसएस के कार्यालय की ओर मार्च शुरू किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इससे पहले इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने इस प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, श्आरएसएस ने पिछले सौ सालों से देश के संविधान के खिलाफ काम किया है। उन्होंने संविधान की विचारधारा को नकारा है और देश में जहर घोलने का काम किया है। हम आज आरएसएस को संविधान की प्रति सौंपना चाहते हैं और उनसे आग्रह करते हैं कि वे इस संविधान को अपनाएं। अब यह आरएसएस के ऊपर है कि वे इस देश के पूरे देशवासियों के स्वाभिमान के प्रतीक संविधान को अपनाते हैं या हमें बीच में ही रोक देते हैं। बता दें कि इस प्रदर्शन में सैकड़ो युवक कांग्रेस कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। उनका मार्च शांतिपूर्ण ही था और वे संघ प्रमुख को संविधान की प्रति देना चाह रहे थे, कोई विस्फोटक सामान नहीं, जिससे संघ को डर लगे। इस प्रति को स्वीकार कर मोहन भागवत देश की व्यवस्था में अपना यकीन ही जाहिर करते, लेकिन महात्मा गांधी की जयकार और संविधान लेकर चलने वाले युवाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस प्रदर्शन के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है कि क्या आरएसएस संविधान की मूल भावना को अपनाएगा या उसकी आस्था मनुस्मृति में ही बनी रहेगी। और यहां दूसरा विकल्प ही मजबूत नजर आता है। वैसे मोहन भागवत को भाजपा के पूर्व सांसद और अब कांग्रेस के नेता उदित राज से भी चुनौती मिली। 2 अक्टूबर के भाषण में मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज की शक्ति और चरित्र एकता की गारंटी देते हैं। हिंदू समाज में हम और वे की अवधारणा कभी अस्तित्व में नहीं रही। इस पर उदित राज ने लिखा है कि भागवत जी हमें एक कुआँ, एक मंदिर और एक श्मशान की जगह एक तरह की शिक्षा, जाति विहीन समाज और हिस्सेदारी चाहिए। दलित और ओबीसी अब जाग गए हैं और आपके झाँसे में नहीं आने वाले हैं। बता दें कि भागवत कहने को तो बराबरी की बात करते हैं, समरसता कहकर दलितों और पिछड़ों को सवर्णों से पीछे रहने, लेकिन मिलकर चलने की नसीहत देते हैं।

अब दसवीं की परीक्षा दो अवसरों के साथ

सीबीएसई के नये पैटर्न के तहत पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक ही सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। आगामी फरवरी में 10वीं के छात्र अनिवार्य बोर्ड परीक्षा देंगे, इसके बाद यदि कोई छात्र चाहे तो मई में वह वैकल्पिक परीक्षा देकर अपने अंक सुधार सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस पैटर्न से छात्रों को हर तरह की राहत मिलेगी। हालांकि इसमें चुनौतियां भी कम नहीं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की अगले साल होने वाली 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तारीखें निश्चित हो गई हैं। इसके साथ ही पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक ही शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। यह बिलकुल नया पैटर्न होगा। साल 2026 में 10वीं और 12वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से 6 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएंगी। इसके बाद यानी इंप्रूवमेंट सत्र में 15 मई से 1 जून 2026 तक 10वीं परीक्षा एक बार और होगी। दोनों में से जिस परीक्षा में स्टूडेंट को अपने बेहतर अंक लगें, उसे अपनी मानक परीक्षा के रूप में अपने पास रख सकते हैं। यह बदलाव देश के परीक्षा पैटर्न में एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में आ रहा है। बहुत संभव है कि इसके बाद देश के ज्यादातर या सभी बोर्ड इस पैटर्न को अपना लें। आने वाले फरवरी माह में सीबीएसई के 10वीं के छात्र अनिवार्य बोर्ड परीक्षा देंगे, इसके बाद यदि कोई छात्र चाहे तो मई में वह वैकल्पिक परीक्षा सत्र में भी भाग लेकर अपनी अंक तालिका को बेहतर बना सकता है। हालांकि दूसरे सत्र में सुधार केवल तीन कोर सब्जेक्ट तक ही सीमित रहेगा। दोनों ही परीक्षाएं पूरे वर्ष के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगी। हालांकि इंटरनल एसेसमेंट शैक्षणिक सत्र में सिर्फ एक बार ही होगा, न कि दो बार। विषय परिवर्तन भी नहीं होगा यानी पहली परीक्षा में छात्र जिन विषयों में इम्तिहान देंगे, उन्हीं विषयों को दूसरी परीक्षा के लिए भी चुनना होगा। नया नियम यह भी है कि दूसरी परीक्षा के लिए लिस्ट में नये नामों को नहीं जोड़ा जायेगा। यदि कोई छात्र पहली परीक्षा में पास नहीं हुआ, तो वह मई सत्र में कंपार्टमेंट परीक्षा भी दे सकेगा। अब के पहले तक यदि छात्र कम अंक प्राप्त करते हैं या फेल हो जाते हैं तो उन्हें कंपार्टमेंट परीक्षा देनी पड़ती थी, जो मेन परीक्षा से बहुत बाद में होती थी और कई छात्रों का एक साल बर्बाद हो जाता था। इसलिए यह नया पैटर्न उनके भी हित में होगा। अभी तक एक ही परीक्षा मेक या ब्रेक वाली होती थी यानी यदि कोई छात्र किसी विषय में अच्छा प्रदर्शन न कर पाता तो उससे उसका पूरा परीक्षा परिणाम प्रभावित होता था। इस वजह से तनाव, अभिभावकों और छात्रों के लिए चिंता का विषय था। लेकिन अब इससे उन्हें किसी एक या तीन कोर विषयों पर स्थिति बेहतर करने का महज कुछ दिनों के भीतर ही दूसरा मौका मिलेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस नये परीक्षा पैटर्न से छात्रों को हर तरह की राहत मिलेगी। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति में लचीलापन और छात्र उन्मुख विकल्प के रूप में सामने आयेगा। दो सत्र की परीक्षा आयोजित करने, परीक्षा केंद्रों, मूल्यांकन कर्मियों आदि की व्यवस्था करने का स्कूलों और बोर्ड पर काफी ज्यादा दबाव रहेगा। साथ ही विद्यार्थियों, स्कूलों और अभिभावकों को अतिरिक्त तैयारी करनी होगी। शिक्षकों को टाइम टेबल व अन्य संसाधनों के साथ सामंजस्य बिठाना पड़ेगा। इसके साथ ही विषय चयन बदलने, विषयों के बदलाव आदि की अनुमति नहीं है। असल में, यह आने वाली पहली परीक्षा के बाद ही पता चलेगा कि यह प्रयोग कितना सफल और सार्थक रहेगा।

'बढ़ती आय और कर सुधारों से भारत में निवेश के नए अवसर खुल रहे', बोले वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने कहा है कि हम ऐसे मोड़ पर हैं, जब कई सकारात्मक पहलू मौजूद हैं जो हमें हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने में सक्षम बनाएंगे। जीएसटी दर में कटौती से राजकोषीय गुंजाइश बढ़ी है, क्रय शक्ति बढ़ी है, व्यापार में आसानी हुई है और हर आम आदमी को राहत मिली है। 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने कहा है कि भारत का बड़ा और अब तक अप्रयुक्त घरेलू बाजार देश में निवेश के लिए अपार संभावनाएं प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय में सालाना पांच से छह प्रतिशत की दर से हो रही वृद्धि से निजी निवेश, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP), बाहरी निजी निवेश और आंतरिक संसाधन जुटाने के लिए अनुकूल अवसर बन रहे हैं। भारत चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार एनके सिंह ने कहा कि हम एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर हैं, जहां कई सकारात्मक चक्र एक साथ काम कर रहे हैं,

शोभिता धुलिपाला

ने शेयर कीं शानदार सेल्फी, अपनी आदत को 'भारतीय अंकल' से किया कंपेयर

शोभिता धुलिपाला ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी शानदार सेल्फी शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। शोभिता की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स और फैंस ने प्यार बरसाया है। अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला ने अपनी सेल्फी लेने की आदत पर खुद का ही मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा कैमरे की बजाय फोन की स्क्रीन पर खुद को देखती रहती हैं। शोभिती की इन लेटेस्ट शानदार सेल्फी पर फैंस और सेलेब्स ने कमेंट किए हैं। शोभिता धुलिपाला का पोस्ट शोभिता धुलिपाला ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई शानदार तस्वीरें और सेल्फी शेयर कीं। इन तस्वीरों में शोभिता ने कई शानदार लुक शेयर किए हैं। एक तस्वीर में वह वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। वहीं एक तस्वीर में वह अपना रेड नेलपेंट फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक तस्वीर में शोभिता किसी शख्स को खुशी से गले लगाती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ शोभिता ने कैप्शन में लिखा, 'जब भी मैं सेल्फी लेती हूं, कैमरे की बजाय स्क्रीन पर खुद को देखती हूं। अगर इससे मैं भारतीय अंकल बन जाती हूं, तो कोई बात नहीं।' शोभिता का वर्कफ्रंट शोभिता ने 'मेड इन हेवन' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज में शानदार काम किया है। हाल ही में उन्होंने देव पटेल के साथ हॉलीवुड फिल्म 'मंकी मैन' में डेब्यू किया। मार्च में 'मेड इन हेवन' शो की छठी सालगिरह पर शोभिता ने पुरानी यादें ताजा कीं।

उपद्रवियों से परेशान कनाडाई सिनेमा चेन, कांतारा 2 समेत कई फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक

ऋषभ शेट्टी की कांतारा सीरीज का दूसरा पार्ट कांतारा चैप्टर 1 अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार चचाओं में बना हुआ है। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार शुरूआत की है और इसके आगामी दिनों में भी बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। हालांकि, इस बीच कनाडा में एक सिनेमाघर ने कांतारा चैप्टर 1 और पवन कल्याण की ओजी समेत हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। जानिए आखिर सिनेमाहॉल ने क्यों लिया ऐसा फैसला? आगजनी और गोलीबारी की हुईं घटनाएं कनाडा के ओकविले

शहर के एक सिनेमाघर ने आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं के बाद ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' और पवन कल्याण की 'दे कॉल हिम ओजी' सहित भारतीय फिल्मों का प्रदर्शन रोकने की घोषणा की है। ओंटारियो प्रांत के सिनेमाघर ने कहा कि हिंसा की ये घटनाएं दक्षिण एशियाई फिल्मों के प्रदर्शन से जुड़ी हैं। इसमें बताया गया कि 25 सितंबर को दो लोगों ने लाल गैस के डिब्बों से थिएटर के एंट्री गेट में आग लगाने की कोशिश की। आग से इमारत के बाहरी हिस्से को नुकसान पहुंचा, लेकिन समय रहते उस पर काबू पा लिया गया और वह सिनेमाघर के अंदर नहीं फैली। उपद्रवी कैमरे में कैद हो गए। इसके अलावा 2 अक्टूबर को एक व्यक्ति ने भागने से पहले थिएटर के दरवाजे से कई गोलियां चलाईं। सिनेमाहॉल बोला- ये पहली बार नहीं है सिनेमाहॉल ने अपने एक्स पेज पर लिखा, यह पहली बार नहीं है जब हमें भारतीय फिल्मों के प्रदर्शन से जुड़ी तोड़फोड़ और धमकियों का सामना करना पड़ा है। हालांकि, ये बार-बार होने वाली घटनाएं परेशान करने वाली हैं, लेकिन ये हमें अपने समुदाय को सिनेमा का आनंद लेने के लिए एक सुरक्षित जगह प्रदान करने से कभी नहीं रोक पाएंगी। वहीं इस मामले में पुलिस ने कहा कि वे अपराधों की जांच कर रहे हैं और कहा कि दोनों ही अपराध थिएटर को निशाना बनाकर किए गए थे।

हेमा मालिनी पर ट्रोल्स का हमला, फैन संग तस्वीर से किया किनारा

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी इस समय सोशल मीडिया पर चर्चा में हैंकृ इस बार उनकी फिल्मों या डांस परफॉर्मेंस को लेकर नहीं, बल्कि एक वायरल वीडियो की वजह से। नवरात्रि के मौके पर एक इवेंट के दौरान फैन संग पोज न देने पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। घटना एक नवरात्रि इवेंट की है, जहां हेमा मालिनी ट्रेडिशनल पर्पल साड़ी और हेवी ज्वेलरी में नजर आईं। इस दौरान एक महिला फैन उनके पास आई और सेल्फी लेने की कोशिश की। लेकिन हेमा ने उस फैन की ओर देखा, अजीब सा रिएक्शन दिया और फिर कैमरे से मुंह फेर लिया। यह पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हेमा मालिनी अक्सर अपने शालीन व्यवहार और परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं, लेकिन हाल के ऐसे वीडियो उनकी पब्लिक इमेज पर असर डाल सकते हैं। फैंस और आलोचकों के बीच अब यह बहस भी शुरू हो चुकी है कि क्या हर सेलेब्रिटी को हर वक्त फैंस के लिए उपलब्ध रहना चाहिए? वीडियो सामने आते ही यूजर्स ने हेमा मालिनी पर खूब निशाना साधा। कई यूजर्स ने उनके एटीट्यूड को लेकर उन्हें घमंडी कहा तो कुछ ने उनकी तुलना एक्ट्रेस रेखा और जया बच्चन से कर दी। एक यूजर ने लिखा, इतना एटीट्यूड किस बात का? दूसरे ने तंज कसते हुए कहा, जया बच्चन होती तो थप्पड़ मार देतीं! एक ने लिखा, रेखा जी तो कितनी ग्रेसफुल हैं, इनसे तो बेहतर हैं।

रानी मुखर्जी ने तोड़ी चुप्पी: क्यों नहीं दिखाई अब तक शादी की तस्वीरें?

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी और डायरेक्टर आदित्य चोपड़ा की शादी को एक दशक होने को है, लेकिन आज तक उनकी शादी की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। फैंस के मन में यह सवाल कई बार उठा कि आखिर रानी अपनी वेडिंग फोटोज शेयर क्यों नहीं करतीं। अब खुद रानी मुखर्जी ने इसका जवाब दिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब रानी से पूछा गया कि क्या वह अपनी शादी की सिल्वर जुबली पर तस्वीरें पब्लिक करेंगी, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा शायद, ये एक अच्छा आइडिया है। लेकिन साथ ही साफ किया कि आदित्य चोपड़ा हमेशा से बेहद प्राइवेट इंसान रहे हैं और उनकी यही इच्छा थी कि शादी एक निजी समारोह हो, जो सार्वजनिक न बने। रानी मुखर्जी ने कहा कि वह खुद भी अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी सतर्क रहती हैं। मेरा काम और मेरी पर्सनल लाइफ दो अलग चीजें हैं। मैं तभी सामने आती हूं जब कोई ठोस कारण हो, हर समय नहीं, उन्होंने कहा। उन्होंने इस सोच को कोई रूल नहीं बल्कि जीवन जीने का तरीका बताया। रानी ने आदित्य चोपड़ा की परवरिश को भी इस सोच से जोड़ा। उन्होंने बताया कि यश चोपड़ा और पामेला चोपड़ा ने आदित्य को स्वतंत्र सोच और महिलाओं के प्रति सम्मान सिखाया है। जब आप यश अंकल की फिल्में देखते हैं, तो उनमें महिला किरदारों को खास महत्व दिया जाता है। यही चीज आदित्य में भी है, रानी ने कहा। रानी ने अपनी फिल्म हिचकी को लेकर भी एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उस समय वह अपनी बेटी आदिरा की परवरिश में व्यस्त थीं और स्क्रीन से दूर थीं। रानी बताती हैं, आदित्य ने कहा, तुम सिर्फ एक मां नहीं हो, तुम रानी मुखर्जी हो। तुम्हारे फैंस तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं। उसी ने मुझे फिर से काम पर लौटने के लिए प्रेरित किया। अपने पति की तारीफ करते हुए रानी बोलीं, आदित्य वो हवा हैं, जिन्होंने मुझे उड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कभी मुझ पर कुछ थोपा नहीं, लेकिन हमेशा मेरी आजादी को महत्व दिया। फिलहाल रानी ने साफ किया है कि आदित्य शायद ही कभी चाहें कि उनकी शादी की तस्वीरें सार्वजनिक हों। लेकिन उनकी बातों से इतना जरूर समझ आता है कि इस कपल की रिलेशनशिप में बहुत गहराई और सम्मान है भले ही कैमरों से दूर हो।

पूरे देश में अल्लू अर्जुन के फैंस की दीवानगी के इन 5 यादगार पलों पर डालें एक नजर

अल्लू अर्जुन ने सच में अपना नाम देश के सबसे बड़े पैन-इंडिया स्टार्स में दर्ज करवा लिया है। उनका करियर कई दशकों तक फैला है और इस दौरान उन्होंने अपनी एक जबरदस्त फैन फॉलोइंग बनाई है। लेकिन असली पहचान उन्हें पुष्पा द राइज और पुष्पा 2 द रूल से मिली, जिसने उन्हें सिर्फ देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में एक फेनोमेना बना दिया। उनका स्वैग, स्टाइल और परफॉर्मेंस लोगों के दिलों में बस चुका है। ऐसे में चाहे बच्चे हों, युवा हों या फिर बड़े-बुजुर्ग सभी की सबकी अल्लू अर्जुन से एक बार मिलने की ख्वाहिश रहती है। सालों से फैंस ने अल्लू अर्जुन के लिए अपना प्यार अलग-अलग तरीकों से दिखाया है, और इनमें से कुछ पल इतने इमोशनल और खास रहे हैं कि आज भी याद किए जाते हैं। कोई फैन सिर्फ उनसे मिलने के लिए 175 किमी साइकिल चलाकर पहुंचा, तो कहीं एक नन्हीं सी बच्ची ने मासूमियत से उनसे तस्वीर खिंचवाने की रिक्वेस्ट की। तो आपको बता दें कि ऐसे ही 5 बेहतरीन फैन मोमेंट्स हैं, जो साबित करते हैं कि उनकी क्रेज का कोई मुकाबला नहीं है।

अलीगढ़ से एक फैन 175 किलोमीटर साइकिल चलाकर हैदराबाद सिर्फ अल्लू अर्जुन से मिलने पहुंचा। मिलने के बाद उसने प्यार के तोहफे के रूप में एक पौधा गिफ्ट किया, जिसे अल्लू ने खुशी-खुशी स्वीकार किया और उसके साथ तस्वीर भी खिंचवाई। बाद में उस फैन ने कहा कि अल्लू अर्जुन उसके रियल-लाइफ हीरो हैं और इतनी बड़ी स्टारडम के बावजूद उनका इतना विनम्र और जमीन से जुड़ा होना तारीफ के काबिल है। एक डाई-हार्ड अल्लू अर्जुन फैन उनसे मिलकर इतना इमोशनल हो गया कि अपनी खुशी जाहिर ही नहीं कर पाया और रोने लगा। अल्लू अर्जुन ने उसे गले लगाया, दिलासा दिया और प्यार से बात की, जिससे साफ दिखा कि वो अपने फैंस की कितनी असल में परवाह करते हैं। एक छोटी बच्ची फैन अवॉर्ड शो के दौरान अल्लू अर्जुन के पास आई, बस एक तस्वीर लेने की उम्मीद में। प्यारे अंदाज में अल्लू ने खुद उसका फोन लिया और सेल्फी क्लिक की, ये दिखाते हुए कि उनके सबसे छोटे फैंस भी उनसे कितना ज्यादा प्यार करते हैं।एक बड़े शो के दौरान जब अल्लू अर्जुन अपने फैंस को धन्यवाद दे रहे थे, तभी अचानक एक फैन स्टेज पर दौड़कर आ गया। जैसे ही सिक्योरिटी और बॉडीगार्ड उसे रोकने लगे, अल्लू ने बीच में आकर फैन को बचाया, उसे फोटो लेने दी और प्यार से गले लगाया। इस पल ने साफ दिखा दिया कि वो अपने चाहने वालों से सच में कितना प्यार करते हैं। एक फैन, जो अल्लू अर्जुन का बड़ा चाहने वाला था, माचेरला से हैदराबाद तक लगभग 250 किमी का सफर 6 दिनों में चलकर तय किया और वो भी सिर्फ अपने पसंदीदा सुपरस्टार से मिलने के लिए। उसने यात्रा के दौरान अल्लू अर्जुन का होर्डिंग भी साथ रखा। लंबी और थकाऊ यात्रा के बावजूद वह आखिर में उनसे नहीं मिल सका, लेकिन इस प्रयास से साफ दिख जाता है कि फैंस अल्लू अर्जुन के लिए कितना प्यार और समर्पण रखते हैं।

मंत्र भारत ग्वालियर-शनिवार,04 अक्टूबर 2025

युवराज की वो बात, जिसने बदल दी अभिषेक की जिंदगी; बताया कैसे साधारण खिलाड़ी से बना मैच विनर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रह चुके युवराज सिंह ने जब युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने साये में लिया, तब से ही उनकी सोच साफ थी, उन्हें सिर्फ घरेलू क्रिकेट या आईपीएल के लिए नहीं, बल्कि टीम इंडिया का मैच-विनर बनाने का। युवराज, जिन्होंने भारत को 2007 का टी20 विश्व कप और 2011 का वनडे विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी, खुद जानते थे कि बड़े मंच पर जीत दिलाने के लिए कैसी तैयारी जरूरी होती है। ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस पर अभिषेक का खुलासा अभिषेक शर्मा ने हाल ही में ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस शो पर बताया कि लॉकडाउन के दौरान युवराज सिंह के साथ ट्रेनिंग करना उनके करियर का टर्निंग प्वॉइंट रहा। उन्होंने कहा, 'मैं युवी पाजी का बहुत आभारी हूं। लॉकडाउन में हम उनके घर पर कैंप करते थे। मैं, शुभमन, प्रभसिमरन, अनमोलप्रीत। मुझे इसकी बहुत जरूरत थी। हम फ्लाइट में थे तो मैंने उनसे कहा कि क्या कुछ दिनों का कैंप किया जा सकता है। उन्होंने तुरंत हां कर दी। उस समय मैं संघर्ष कर रहा था।

पत्रकारों पर पाबंदी लगाने की कर रहा तैयारी

सोशल मीडिया को बता दिया देश का दुश्मन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और उसका डरपोक रवैया दुनियाभर में विख्यात है। ऐसे में खबर सामने आ रही है कि अब पाकिस्तान सरकार बगावत से भी डर गया है और मीडिया की स्वतंत्रता पर भी पाबंदी लगाने की तैयारी कर रहा है। ये बात इसलिए चर्चा में है क्योंकि बीते दिनों पाकिस्तानी सरकार के आधा पेज के विज्ञापन में पत्रकार और फ्रीलांसर को 'देश का दुश्मन' बताया गया। पाकिस्तान की राजनीति में इन दिनों एक सरकारी विज्ञापन के चलते सियासी गर्माहट अपने चरम पर पहुंच गया है। कारण है कि पाकिस्तानी सरकार की तरफ से एक आधा पेज का विज्ञापन

प्रकाशित किया गया है, जिसमें पत्रकारों, फ्रीलांसरों, एनजीओ के कामगारों और नागरिक समाज के लोगों को दुश्मन की प्रचार सामग्री फैलाने वाले बताया गया है। इस विज्ञापन ने प्रेस की आजादी और मानवाधिकार कार्यकताओं में भारी नाराजगी पैदा कर दी है। यह विज्ञापन एक और दो अक्तूबर को कई बड़े अखबारों में प्रकाशित हुआ, जिसमें कहा गया कि आज के युद्ध की जमीन बंदूक से नहीं, बल्कि सूचना से लड़ी जा रही है। विज्ञापन में बताया गया कि आज के दुश्मन बंदूकों की बजाय सूचना का इस्तेमाल करता है और यह दुश्मन कभी-कभी पत्रकार, एनजीओ कर्मचारी या फ्रीलांसर के रूप में भी दिख सकता है। इसके जरिए वे संवेदनशील जानकारी लेकर डर और अशांति फैला सकते हैं। मीडिया संस्थानों ने इस विज्ञापन की आलोचना की मामले में फ्रीडम नेटवर्क नामक मीडिया संस्था ने इस विज्ञापन की कड़ी आलोचना की है। साथ ही कहा है कि यह विज्ञापन पत्रकारों और नागरिक समाज के लोगों को खतरे में डालता है, क्योंकि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना गया है। इसके साथ ही, ूमन राइट्स कमीशन ऑफफ पाकिस्तान (एचआरसीपी), वुमेंस एक्शन फोरम (लाहौर), शिरकत गा, साउथ एशिया पार्टनरशिप-पाकिस्तान, सिमोर्घ और क्लास जैसी मानवाधिकार संस्थाओं ने भी इस विज्ञापन की निंदा की है। इन सभी ने कहा है कि यह विज्ञापन पाकिस्तान में पहले से ही कम होती जा रही स्वतंत्रता की आवाजों को और भी दबाता है। क्या कहना है विशेषज्ञों का? बता दें कि यह विज्ञापन ऐसे समय में आया है जब सरकार ने डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी शुरू की है, खासकर एक विपक्षी नेता की जेल जाने के बाद। अधिकारों के समर्थक चिंतित हैं कि इस विज्ञापन के कारण पत्रकारों और सभी एनजीओज पर हमले बढ़ सकते हैं और उनकी आवाज दबाई जा सकती है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार द्वारा स्वतंत्र आवाजों को दुश्मन बताने से लोकतांत्रिक अधिकारों पर खतरा बढ़ेगा और लोग डर के कारण सच बोलने से डरेंगे।

हत्या के 32 साल बाद सभी आरोपी बरी, अभियोजन पक्ष की खामियों पर जज ने जताई हैरानी

मुंबई (एजेंसी)। मुकदमे में काफी बाधाएं आईं जिसके कारण मुकदमा लंबा खिंचा। आरोपी जमानत पर रिहा हो गए थे। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश को गवाहों के बयान और आरोपपत्र सहित सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज फटे हुए मिले। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक सत्र अदालत ने 32 साल पहले हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में सभी पांच आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष विश्वसनीय गवाह जुटाने और पुख्ता सबूत देने में असफल रहा। साथ ही मामले से जुड़े अहम दस्तावेज भी खराब हो चुके थे। ऐसे में अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए पांचों आरोपियों को रिहा कर दिया। क्या है मामला कल्याण के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पी. सैय्यद ने 26 सितंबर को यह फैसला सुनाया, जिसकी एक प्रति शुक्रवार को उपलब्ध कराई गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 16 दिसंबर, 1992 को सम्राट अशोक नगर में लकी प्रेमचंद भाटिया नाम के व्यक्ति पर धारदार हथियारों से हमला किया गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में सुरेश दीनानाथ उपाध्याय, गौतम महादेव गायकवाड़, मोहिद्दीन सिद्दीक खान, कन्हैया बसन्ना कोली और कुमार चेतुमल नागरानी को आरोपी बनाया गया था। अभियोजन पक्ष की खामियों से जज भी हैरान मुकदमे में काफी बाधाएं आईं जिसके कारण मुकदमा लंबा खिंचा। आरोपी जमानत पर रिहा हो गए थे। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश को गवाहों के बयान और आरोपपत्र सहित सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज फटे हुए मिले।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या घटी

उड़ानों में देरी से 74 हजार यात्री प्रभावित; रिपोर्ट में कई खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीजीसीए की अगस्त रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू हवाई यात्रा में सालाना आधार पर गिरावट दर्ज हुई। अगस्त 2025 में 1.29 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी, जो पिछले साल से कम है। इंडिगो की हिस्सेदारी घटकर 64.2 प्रतिशत रही, जबकि एअर इंडिया ग्रुप 27.3 प्रतिशत तक बढ़ा। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से कई लोगों को हवाई यात्रा से थोड़ा ही सही पर हां डर तो लगने लगा था। इसी बीच डीजीसीए ने एक ताजा रिपोर्ट पेश की है। इसमें बताया गया है कि अगस्त 2025 में कुल कितने लोगों ने उड़ान भरी है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि अगस्त 2024 के मुकाबले इस साल में अगस्त के आंकड़ों में गिरावट आई है। हालांकि पिछले महीने के मुकाबले ये आंकड़े थोड़े बेहतर हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (उ्रुउअ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने घरेलू एयरलाइनों ने कुल 1.29 करोड़ यात्रियों को उड़ान भराई, जबकि पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 1.31 करोड़ था। हालांकि जुलाई की तुलना में अगस्त का यात्री आंकड़ा थोड़ा बेहतर रहा। इंडिगो का शेयर घटा, एअर इंडिया ग्रुप में बढ़त इस रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि अगस्त में इंडिगो की घरेलू बाजार हिस्सेदारी घटकर 64.2 प्रतिशत रह गई, जबकि जुलाई में यह 65.2 प्रतिशत थी। इसके विपरीत, एअर इंडिया ग्रुप (एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस) का मार्केट शेयर जुलाई के 26.2 प्रतिशत से बढ़कर 27.3 प्रतिशत हो गया। अकासा एयर का बाजार हिस्सा अगस्त में घटकर 5.4 प्रतिशत रह गया, जबकि जुलाई में यह

5.5 प्रतिशत था। स्पाइसजेट का हिस्सा 2 प्रतिशत पर स्थिर रहा। सरकारी एलायंस एयर का मार्केट शेयर जुलाई के 0.4 प्रतिशत से गिरकर 0.3 प्रतिशत हो गया। वहीं स्टार एयर और फ्लाई91 क्रमशः 0.5 और 0.2 प्रतिशत पर कायम रहे। शिकायतें और उड़ान रद्द होने का असर अगस्त में कुल 1,407 यात्री शिकायतें एयरलाइनों को मिलीं। डीजीसीए के मुताबिक, 10,000 यात्रियों पर 1.09 शिकायतें दर्ज हुईं। महीने भर में 74,381 यात्री उड़ानों में देरी से प्रभावित हुए, जिनके लिए एयरलाइनों ने 1.18 करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं, 36,362 यात्री उड़ान रद्द होने से प्रभावित हुए और उन्हें 64.51 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। बोर्डिंग से वंचित और ओटीपी प्रदर्शन रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अगस्त में 705 यात्रियों को बोर्डिंग से वंचित किया गया, जिसके लिए एयरलाइनों ने 24.52 लाख रुपये का भुगतान किया। ऑन-टाइम परफॉर्मेंस के मामले में इंडिगो 90.6 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रहा। उसके बाद अकासा एयर 87 प्रतिशत, एयर इंडिया ग्रुप 84.5 प्रतिशत, स्पाइसजेट 68.2 प्रतिशत और एलायंस एयर 55.2 प्रतिशत पर रहे। वार्षिक और मासिक आंकड़े जनवरी से अगस्त 2025 तक घरेलू एयरलाइनों ने 1,107.26 लाख यात्रियों को उड़ान भराई, जो पिछले साल की इसी अवधि के 1,054.66 लाख यात्रियों से 4.99 प्रतिशत अधिक है।

शटडाउन को लेकर व्हाइट हाउस ने दी बड़े पैमाने पर छंटनी की चेतावनी, डेमोक्रेट्स पर लगाए गंभीर आरोप

नईदिल्ली (एजेंसी)। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने चेतावनी दी कि अगर चल रहा सरकारी बंद लंबा खिंचता है तो हजारों संघीय कर्मचारी अपनी नौकरी खो सकते हैं, जिससे वाशिंगटन में राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि डेमोक्रेट्स इस संकट को राजनीति का मैदान बना रहे हैं। अमेरिकी सरकार के बंद होने के कारण व्हाइट हाउस ने बड़े पैमाने पर छंटनी की चेतावनी दी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारी संभावित छंटनी की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह संख्या हजारों में होने की संभावना है। ओएमबी के अधिकारियों के साथ बातचीत जारी लेविट ने यह भी बताया कि प्रबंधन व बजट कार्यालय (ओएमबी) और अन्य अधिकारी इस बात पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श कर रहे हैं कि किन विभागों पर इसका असर पड़ सकता है। डेमोक्रेट्स पर लगाए गंभीर आरोप

लीविट ने इसका पूरा दोष डेमोक्रेट्स पर मढ़ते हुए उन पर एक फंडिंग डील में सहयोग करने से इनकार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर डेमोक्रेट्स ने सरकार को चालू रखने के पक्ष में वोट किया होता तो आज ये बातचीत ही नहीं हो रही होती। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि डेमोक्रेट्स इस संकट को राजनीति का मैदान बना रहे हैं। लेविट ने कहा कि बिना दस्तावेज वाले अप्रवासी लोगों के लिए स्वास्थ्य लाभ को लेकर मतभेद समझौते में सबसे बड़ी बाधा बने हुए हैं। बाइडेन प्रशासन को घेरा लीविट ने आगे कहा कि मेडिकेयर के लाभ हमारे देश के सबसे कमजोर लोगों को मिलते हैं। लेकिन बाइडेन प्रशासन ने दुनिया भर से हजारों अवैध विदेशियों को देश में आने और मुफ्त लाभ पाने की अनुमति दी। शटडाउन का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए हो रहा बुधवार को सांसदों द्वारा आधी रात की फंडिंग की समय सीमा चूक जाने के बाद संघीय सरकार आंशिक रूप से बंद हो गई, जिससे कई एजेंसियों के पास बजट नहीं बचा।

पुतिन ने पीएम मोदी को बताया 'बुद्धिमान' और 'संतुलित नेता', बोले- भारत अपना अपमान नहीं होने देगा

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताया और कहा कि वह उनके साथ सहज महसूस करते हैं। पुतिन ने मोदी के नेतृत्व वाली भारत की राष्ट्रवादी सरकार की तारीफ की और पीएम मोदी को एक 'संतुलित, बुद्धिमान' और 'राष्ट्र हितैषी' नेता बताया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी सरकार को आदेश दिया है कि वे भारत के साथ व्यापार असंतुलन को कम करें। दरअसल भारत बड़े पैमाने पर रूस से कच्चा तेल खरीदता है। जिसके चलते दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी असंतुलन है। अब चूंकि अमेरिका, भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बना रहा है। ऐसे में पुतिन चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन को कम किया जाए ताकि भारत पर अमेरिकी दबाव का खास असर न होने पाए। पुतिन ने दिसंबर की शुरूआत में अपनी भारत यात्रा को लेकर भी उत्सुकता जाहिर की। 'भारत और रूस के बीच कभी कोई तनाव नहीं रहा' गुरुवार शाम दक्षिण रूस के सोची स्थित काला सागर रिसॉर्ट में भारत सहित 140 देशों के सुरक्षा और भू-राजनीतिक विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय वल्दाई चर्चा मंच में बोलते हुए, पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस और भारत के बीच कभी कोई समस्या या तनाव नहीं रहा है और दोनों देशों ने हमेशा एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए कदम उठाए हैं। पुतिन ने कहा, 'भारत के साथ हमारी कभी कोई समस्या या अंतर-राज्यीय तनाव नहीं रहा। कभी नहीं।' पीएम मोदी की तारीफ की पुतिन ने कहा कि सोवियत संघ के दिनों से, जब भारत अपनी आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था, तब भी रूस-भारत संबंध बेहद मजबूत रहे थे। उन्होंने कहा, 'भारत में, वे इसे याद करते हैं, वे इसे जानते हैं, और इसे महत्व देते हैं। हम इस बात की सराहना करते हैं कि भारत इसे नहीं भूला है।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताया और कहा कि वह उनके साथ सहज महसूस करते हैं।

'पाकिस्तान में गायब किए जा रहे लोग', यूएन में पीओके के सामाजिक कार्यकर्ता ने ही खोली पोल; कार्रवाई की मांग

जिनेवा (एजेंसी)। अपनी काली करतूतों से बाज नहीं आ रहे पाकिस्तान को एक बार फिर वैश्विक मंच पर फजीहत का सामना करना पड़ा। यूएनएचआरसी के 60वें सत्र के दौरान एक कार्यक्रम में पाकिस्तान पर फिर गंभीर आरोप लगे। पीओके और खैबर पख्तूनख्वा के कार्यकताओं ने बताया कि हजारों लोग जबरन गायब हैं। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कार्रवाई की मांग भी की गई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएच आरसी) में एक बार फिर पाकिस्तान की किरकिरी हुई है। इस बार उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग खुद पीओके के राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने की। ये पूरा मामला तब का है जब मानवाधिकार और शांति के लिए काम करने वाले संगठन मानवाधिकार एवं शांति वकालत केंद्र ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60वें सत्र के दौरान एक साइड इवेंट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का शीर्षक था पाकिस्तान में जबरन गायब किए गए लोग के लिए आवाज उठाना। उनके लिए न्याय की मांग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कार्रवाई की मांग। बता दें कि इस कार्यक्रम में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) के

राजनीतिक कार्यकताओं ने हिस्सा लिया और वहां हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों पर चिंता जताई। वक्ताओं ने कहा कि पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर लोगों को जबरन गायब किया जा रहा है, उन्हें बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के मार दिया जाता है या जेलों में रखा जाता है। 6,500 पश्तूनों के जबरन गायब होने के मामले कार्यक्रम के दौरान पश्तून तहफुज मूवमेंट (पीटीएम) के सदस्य और कार्यकर्ता फजल-उर-रहमान अफरीदी ने बताया कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पीटीएम के कार्यकर्ता और आम लोग लगातार गायब किए जा रहे हैं, उन पर अत्याचार हो रहा है और उन्हें मारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने हाल ही में केवल पश्तून समुदाय के 6,500 जबरन गायब किए गए मामलों को संयुक्त राष्ट्र को सौंपा है। इसके अलावा सिंधी और बलूच लोगों के भी हजारों मामले हैं। पाकिस्तान सरकार पीटीएम को आतंकवादी बताकर हम पर अत्याचार कर रही है। पीओजेके में प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी के मामले इस दौरान संयुक्त राष्ट्र में पीओजेके में पाकिस्तानी सरकार की बर्बरता के भी मामले में शिकायत की गई। पीओजेके के निर्वासित कार्यकर्ता नासिर अजीज खान, जो यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी के प्रवक्ता हैं, ने बताया कि 27 सितंबर को अवामी एक्शन कमेटी द्वारा किए गए शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर पाकिस्तान रेंजर्स ने अंधाधुंध गोली चलाई, जिसमें कई लोग मारे गए। नागरिकों की सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप की अपील उन्होंने कहा कि 29 सितंबर से अब तक दस से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जेलों में यातनाएं दी जा रही हैं। पाकिस्तान 1947 से पीओजेके के संसाधनों का शोषण कर रहा है। उन्होंने यून से अपील की कि वहां के नागरिकों की सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप करें।

बड़बोले ट्रंप के युद्ध रुकवाने के दावे का उड़ रहा मजाक, मैक्रों के सामने अल्बानिया के PM ने ली चुटकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यूरोपीय नेताओं ने मजाक उड़ाया है। ईपीसी की बैठक में अल्बानिया के प्रधानमंत्री एदी रामा ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मजाक करते हुए कहा कि ट्रंप ने हमारे बीच शांति समझौता कराया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दावे करते रहे हैं कि उन्होंने सात महीने में दुनियाभर में सात युद्ध रोके हैं। अब ट्रंप का इसी दावे के चलते दुनियाभर के नेता मजाक उड़ा रहे हैं। बड़बोलेपन के चक्कर में ट्रंप ने दो ऐसे देशों का नाम ले दिया जिनके बीच कभी युद्ध हुआ ही नहीं है और ट्रंप उनके बीच संघर्ष विराम करने का दावा कर बैठे। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें यूरोपीय देश अल्बानिया के प्रधानमंत्री,

आर्मेनिया के पीएम और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ट्रंप के दावे का मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं। कोपेनहेगन में आयोजित यूरोपीय राजनीतिक समुदाय की बैठक में अल्बानिया के प्रधानमंत्री एदी रामा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बार-बार की जाने वाली भौगोलिक गलतियों को लेकर चुटकी ली है। यूरोपीय नेताओं ने उड़ाया मजाक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोपेनहेगन में एक उच्च-स्तरीय शिखर सम्मेलन के दौरान अल्बानिया के प्रधानमंत्री एदी रामा की यह टिप्पणी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव की बीच चल रहे हंसी-मजाक के बीच सामने आई। दरअसल ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि उन्होंने अल्बानिया और अजरबैजान के बीच युद्ध रुकवाया है। जबकि इन दोनों देशों के बीच युद्ध चल ही नहीं रहा था।

म्यूनिख हवाई अड्डे के पास दिखा रहस्यमयी ड्रोन, रोका गया उड़ानों का परिचालन

हजारों यात्री प्रभावित

म्यूनिख (एजेंसी)। जर्मनी के व्यस्त म्यूनिख हवाई अड्डे पर गुरुवार शाम को ड्रोन के दिखने की घटनाओं के कारण हवाई यातायात नियंत्रण को अचानक रोकना पड़ा। यूरोप में इस तरह की घटनाएं पहले भी देखने को मिली है। म्यूनिख हवाई अड्डे को गुरुवार देर रात अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में ड्रोन देखे जाने के बाद यह फैसला लिया गया। हवाई अड्डा संचालकों ने बताया कि जर्मनी के हवाई यातायात नियंत्रण ने रात 10 बजे के बाद हवाई अड्डे पर उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया तथा फिर उन्हें पूरी तरह से रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि 17 उड़ानें रवाना नहीं हो सकीं, जिससे लगभग 3,000 यात्री प्रभावित हुए, जबकि 15 आने वाली उड़ानों को जर्मनी के तीन अन्य हवाई अड्डों स्टुटगार्ट, नूर्नबर्ग, फ्रैंकफर्ट पर तथा ऑस्ट्रिया के वियना स्थित एक हवाई अड्डे पर भेज दिया गया। हवाई अड्डा अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और अग्निशमन

विभाग को तुरंत अलर्ट किया गया, और जांच जारी है। यह यूरोप में हवाई अड्डों तथा अन्य महत्वपूर्ण अवसंरचना स्थलों पर ड्रोन देखे जाने की घटनाओं की श्रृंखला में एक नई घटना है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस तरह की घटनाओं के पीछे किसका हाथ है, लेकिन यूरोपीय अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की है कि इसके पीछे रूस हो सकता है। रूसी अधिकारियों ने डेनमार्क में हाल ही में हुई ड्रोन घटनाओं में शामिल होने के दावों को खारिज कर दिया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।